संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

स्थापना वर्ष : 2002

हिन्द जनपथ

पंचकूला

गुरुवार

6 नवंबर, 2025

वर्ष:24 अंक: 133

कुल पृष्ठ:08

मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं

दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित।

www.hindjanpath.com

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा नाडा साहिब में माथा टेका

पेज-8

मोटी-मोटी बातें

पहले पातशाह श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर मुख्यमंत्री की ओर से पंजाबवासियों को बड़ी सौगात — शाहपुर कंडी डैम प्रोजेक्ट जनता को समर्पित

हिन्द जनपथ

पठानकोट (ब्यूरो)। पहले पातशाह श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज 3394.49 करोड़ रुपए की लागत वाले शाहपुर कंड़ी डैम प्रोजेक्ट का औपचारिक उद्घाटन किया। यह ऐतिहासिक परियोजना राज्य में बिजली और सिंचाई की सुविधाओं में बड़ा इज़ाफा करेगी।

मुख्यमंत्री ने गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन देश, विशेषकर पंजाब के लिए ऐतिहासिक है। उन्होंने इस डैम के निर्माण में योगदान देने वाले इंजीनियरों, कर्मचारियों और श्रमिकों का समूचे पंजाब की ओर से आभार व्यक्त किया, जिन्होंने दिन-रात मेहनत करके इस प्रोजेक्ट को साकार किया। उन्होंने कहा कि यह डैम किसानों, उद्योगपतियों, व्यापारियों और आम जनता के लिए एक वरदान साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि कृषि प्रधान राज्य पंजाब को इस डैम से सबसे अधिक लाभ होगा, क्योंकि इससे जहां बिजली उत्पादन में वृद्धि होगी, वहीं सिंचाई की सुविधा भी उपलब्ध होगी। इस परियोजना से युवाओं के लिए रोजगार के अनेक अवसर पैदा होंगे।

भगवंत सिंह मान ने कहा "शाहपुर कंड़ी डैम पंजाब, विशेषकर माझा क्षेत्र की (लाइफ लाइन) जीवन रेखा साबित होगा। मुझे विश्वास है कि यह डैम न सिर्फ लाखों घरों को रोशन करेगा बल्कि लाखों लोगों की ज़िंदगियों में उजाला भरेगा।" उन्होंने बताया कि शाहपुर कंड़ी डैम प्रोजेक्ट की कुल लागत 3394.49 करोड़ रुपए है, जिसमें से 2694.02 करोड़ रुपए (लगभग 80%) पंजाब सरकार द्वारा और 700.45 करोड़ रुपए (20%) केंद्र सरकार द्वारा दिए जा रहे हैं। इस परियोजना के लिए कुल 3171.72 एकड़ भूमि अधिग्रहित की गई है, जिसमें से 1643.77 एकड़ पंजाब और 1527.95 एकड़ जम्मू-कश्मीर क्षेत्र की है।

नए डैम से सिंचाई सुविधा का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि इस प्रोजेक्ट से पंजाब के 5000 हेक्टेयर (12,500 एकड़) क्षेत्र में सिंचाई संभव होगी। पठानकोट, गुरदासपुर, अमृतसर समेत माझा क्षेत्र के अन्य जिलों के खेतों तक पानी पहुंचेगा। इसके अतिरिक्त अप्पर बारी दोआब नहर के अधीन एक लाख 18 हजार हेक्टेयर भूमि को अब निरंतर सिंचाई सुविधा मिलेगी।

ट्रंप का दावा- मेरे चुनाव प्रचार में नहीं उतरने और 'शटडाउन' के कारण रिपब्लिकन उम्मीदवार चुनाव हारे

वाशिंगटन- अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि चुनाव प्रचार से उनकी अनुपस्थिति और 'शटडाउन' के कारण रिपब्लिकन पार्टी मंगलवार का मेयर चुनाव हार गई। जनवरी में राष्ट्रपति ट्रंप के व्हाइट हाउस में लौटने के बाद पहले बड़े चुनाव में डेमोक्रेट का दबदबा रहा। डेमोक्रेट-समाजवादी जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क सिटी के मेयर चुनाव में जीत हासिल की।

उनकी पार्टी के सहयोगी मिकी शेरिल न्यू जर्सी के गवर्नर चुने गए। एक अन्य डेमोक्रेट अबीगैल स्पैनबर्गर वर्जीनिया की गवर्नर बनीं जबकि भारतीय मूल की गजाला हाशमी को डिप्टी गवर्नर के रूप में निर्वाचित किया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ' पर पोस्ट में कहा कि चुनाव विश्लेषकों के अनुसार, 'ट्रंप का चुनाव प्रचार में नहीं उतरना और 'शटडाउन', दो कारण थे, जिसके चलते रिपब्लिकन आज रात चुनाव हार गए। सरकारी 'शटडाउन' 36वें दिन में प्रवेश कर गया है और पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

अमेरिका में सरकारी खर्चों के लिए पैसा खत्म होने के बाद संसद की ओर से एक वित्तीय पैकेज को मंजूरी दिलानी होती है। संसद की मंजूरी नहीं मिलने पर 'शटडाउन' लागू किया जाता है। एक अन्य पोस्ट में ट्रंप ने मतदाता सुधारों का आह्वान किया। उन्होंने लिखा कि रिपब्लिकन, 'फिलिबस्टर' को समाप्त करें। कानून पारित कराने और मतदाता सुधार पर ध्यान केंद्रित करें।

'फिलिबस्टर' एक संसदीय प्रक्रिया है, जिसमें विधायी निकाय के एक या अधिक सदस्य प्रस्तावित कानून पर बहस को इतना लंबा खींचते हैं कि निर्णय में देरी हो जाती है या उसे पूरी तरह से रोका जा सकता है। ममदानी ने अपने विजय भाषण में ट्रंप को चुनौती दी, जिन्होंने राष्ट्रपति के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में आव्रजन पर कड़ी कार्रवाई शुरू की है। न्यूयॉर्क को आव्रजकों द्वारा चलाया जाएगा।

तूफान मेलिसा के कारण 30 लोगों की मौत, 15 लाख प्रभावित - संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र- संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि जमैका और आसपास के इलाकों में आए भीषण चक्रवाती तूफान मेलिसा ने भारी तबाही मचायी है और इसके कारण 30 लोगों की मौत हो गयी और 15 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने बताया कि जमैका में सड़कें, बिजली और संचार व्यवस्था बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं। लगभग एक सौ तीस सड़कें अवरुद्ध हैं और कई क्षेत्रों में बिजली तथा मोबाइल नेटवर्क ठप पड़े हैं। स्वास्थ्य सेवाओं पर भी इसका गंभीर असर पड़ा है क्योंकि कई अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र पूरी तरह नष्ट या क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम का अनुमान है कि जमैका में लगभग साढ़े तीन लाख लोगों को खाद्य पदार्थों की सहायता की आवश्यकता पड़ सकती है। इसी के साथ संयुक्त राष्ट्र की आपदा मूल्यांकन और समन्वय टीम राहत कार्यों का संचालन कर रही है और जमैका सरकार के साथ मिलकर सहायता पहुंचाने का प्रयास कर रही है।

हैती में भी स्थिति बेहद गंभीर है। तूफान ने कृषि और मछली पालन, दोनों क्षेत्रों को गहरी क्षति पहुंचाई है। खाद्य और कृषि संगठन के अनुसार राजमा, मक्का और फलों की फसलें पूरी तरह नष्ट हो गई हैं। इसके अलावा मछली पकड़ने के ढांचे को भी नुकसान हुआ है जिससे देश में भुखमरी की समस्या और बढ़ने की आशंका है। पहले से ही हैती की आधी आबादी खाद्य असुरक्षा से जूझ रही है और अब यह तूफान उस संकट को और गहरा कर सकता है।

संयुक्त राष्ट्र और उसके साझेदार संगठन राहत और पुनर्वास के प्रयासों को तेज कर रहे हैं ताकि जरूरतमंद लोगों तक शीघ्र सहायता पहुंच सके।

PM मोदी ने महिला विश्व कप की चैंपियन टीम से की मुलाकात, ट्रोलिंग के बाद शानदार वापसी पर की सराहना

नई दिल्ली- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम से अपने निवास पर मुलाकात की। उन्होंने विश्व कप में लगातार तीन हार के कठिन दौर से गुजरने के बाद 'दृढता और शानदार वापसी' के लिए खिलाड़ियों की तारीफ भी की।

कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 2017 में ट्रॉफी के बिना प्रधानमंत्री से हुई मुलाकात को भी याद किया। उन्होंने कहा कि अब वे ट्रॉफी के साथ मिल रहे हैं और आगे भी मिलते रहना चाहेंगे। उपकप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उन्हें प्रेरित किया है।

वह उन सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहे हैं। भारतीय क्रिकेट टीम प्रधानमंत्री से मिलने मंगलवार की शाम यहां पहुंची थी। भारत ने रविवार को नवी मुंबई में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार आईसीसी खिताब जीता।

ट्रंप को झटका, भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क के मेयर पद का चुनाव जीता

न्यूयॉर्क- भारतीय मूल के 34 वर्षीय जोहरान ममदानी को मंगलवार को न्यूयॉर्क सिटी का मेयर चुनाव जीत लिया है। उनकी जीत अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। दरअसल, ट्रंप लगातार उनका विरोध कर रहे थे।

ममदानी अमेरिका के सबसे बड़े शहर के मेयर पद पर आसीन होने वाले पहले दक्षिण एशियाई और मुस्लिम व्यक्ति बन गए हैं। ममदानी ने 9,48,202 वोट (50.6 प्रतिशत) प्राप्त कर न्यूयॉर्क सिटी के मेयर का चुनाव जीता, जिसमें 83 प्रतिशत वोट पड़े।

वह कई महीनों से न्यूयॉर्क सिटी के मेयर चुनाव की दौड़ में सबसे आगे थे और मंगलवार को उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा तथा दिग्गज नेता एवं न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हराया, जो निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे थे।

कुओमो को चुनाव की पूर्व संध्या पर ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त हुआ था। कुओमो को 7,76,547 वोट (41.3 प्रतिशत) मिले जबकि स्लिवा को 1,37,030 वोट मिले। न्यूयॉर्क सिटी के निर्वाचन बोर्ड ने कहा कि 1969 के बाद पहली बार 20 लाख वोट डाले गए, जिनमें मैनहट्टन में 4,44,439 वोट पड़े, इसके बाद ब्रोंक्स (187,399), ब्रुकलिन (571,857), क्वींस (421,176) और स्टेटन आइलैंड (123,827) का स्थान रहा।

ममदानी ने न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवारी हासिल करने के लिए प्राइमरी चुनाव में कुओमो को हराया था और इस वर्ष जून में उन्हें विजयी घोषित किया गया था।

उनके प्रचार अभियान समूह ने कहा था, ''जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क के कामकाजी वर्ग के लोगों के लिए जीवनयापन की लागत कम करने के वास्ते मेयर पद का चुनाव लड़ रहे हैं।'' युवा नेता ममदानी को युवाओं और कामकाजी वर्ग के न्यूयॉर्कवासियों के बीच भरपूर समर्थन मिला, जो देश में कठिन आर्थिक और राजनीतिक माहौल के बीच महंगाई और नौकरी की असुरक्षा के बोझ तले दबे हुए हैं। भारतीय मूल के ममदानी प्रसिद्ध फिल्म निर्माता मीरा नायर और कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर महमूद ममदानी के पुत्र हैं। उनका जन्म युगांडा के कंपाला में हुआ था और सात साल की उम्र में वह अपने परिवार के साथ न्यूयॉर्क सिटी आ गए थे। ममदानी हाल ही में 2018 में ही अमेरिकी नागरिक बने थे। बता दें, डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति पद के दूसरे कार्यकाल में यह पहला राष्ट्रीय चुनाव था। सभी की नजरें इस चुनाव पर थी। ममदानी (34) का जन्म अफ्रीकी देश युगांडा में हुआ है और न्यूयॉर्क शहर में पले-बढ़े हैं। वह न्यूयॉर्क राज्य असेंबली के सदस्य और डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट हैं। प्रसिद्ध भारतीय फिल्मकार मीरा नायर और भारतीय मूल के युगांडा के लेखक महमूद ममदानी के बेटे ममदानी ने न्यूयॉर्क शहर के महापौर पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की प्राथमिक दौड़ में कुओमो को मुश्किल में डाले रखा और जून में विजयी घोषित किए गए।

हरियाणा में 'ऑपरेशन ट्रैकडाउन' शुरू; "सबसे बदनाम" अपराधियों पर सख्त कार्रवाई, SHO-DSP पर सीधी जिम्मेदारी, IG क्राइम करेंगे समन्वय

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा पुलिस ने 5–20 नवंबर, 2025 के बीच राज्यभर में "ऑपरेशन ट्रैकडाउन" शुरू किया है। मकसद साफ है—गोलीबारी से जुड़े भगौड़ों की पहचान करके उन्हें जल्दी से जेल भेजना और आगे अपराध रोकना। आदेश में जिम्मेदारी, समय-सीमा और काम का तरीका साफ बताया गया है। इस ऑपरेशन का समन्वय IG क्राइम राकेश आर्य करेंगे। कोई भी नागरिक उनसे सीधे मोबाइल नंबर +91 90342 90495 पर सूचना दे सकता है। पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

आदेश के मुताबिक जिनकी पहचान नहीं हुई है, उनकी पहचान करें। जिनकी पहचान हो गई है लेकिन वे फरार हैं, उन्हें पाताल से भी ढूंढ निकालें और गिरफ्तार करें। जो आरोपी जमानत पर बाहर हैं, उनकी हिस्ट्री शीट खोलें। अगर वे फिर से अपराध में सक्रिय हैं, तो उनकी जमानत रद्द कराने की कार्रवाई करें। जहां अपराध सुनियोजित तरीके से हो रहा है, वहां संगठित अपराध की सख्त धाराएं लगाएं। अपराध से कमाई गई संपत्ति को चिन्हित कर जब्त करें। जो लोग ऐसे अपराधियों को प्रश्रय, संरक्षण या फंडिंग दे रहे हैं, उन पर भी सख्त कानूनी कार्रवाई करें।

जवाबदेही साफ है। SHO और DSP अपने-अपने क्षेत्र में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सीधे जिम्मेदार होंगे। हर थाना/उपमंडल अपनी "सबसे बदनाम 5" अपराधियों की सूची बनाएगा और उन्हें

जेल भेजेगा—गिरफ्तारी, सरेंडर या जमानत रद्दीकरण के जरिए। इसी तरह हर जिला और जोन "सबसे बदनाम 10" की सूची बनाएंगे। इसके नतीजों के लिए SP/DCP/CP जिम्मेदार होंगे। राज्य स्तर पर STF "सबसे बदनाम 20" की सूची तैयार करेगा और उनकी धर-पकड़ के लिए व्यापक ऑपरेशन चलाएगा।

आदेश में यह भी कहा गया है कि इन सूचीबद्ध अपराधियों को आगे अपराध करने से रोकना और पुराने अपराधों के लिए कानून के सामने जवाबदेह ठहराना जरूरी है। अगर ये आगे भी अपराध करते हैं, तो संबंधित अधिकारी जिम्मेदार माने जाएंगे। मतलब, केवल गिरफ़्तारी नहीं, बल्कि रोकथाम और मजबूत कानूनी कार्रवाई—दोनों पर बराबर जोर है।

पड़ोसी राज्यों से मिलकर काम होगा। पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, और केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली व चंडीगढ़ के साथ समन्वय कर सीमावर्ती इलाकों में चेकिंग, संयुक्त कार्रवाई और कस्टडी ट्रांसफर तेज किए जाएंगे। लक्ष्य यह है कि फरार अपराधी राज्य बदलकर बच न निकलें।

इस ऑपरेशन की भाषा और तरीका सरल और सीधा है। फोकस दिखावे पर नहीं, बल्कि काम के नतीजों पर है—कितने गिरफ्तार हुए, किन मामलों में जमानत रद्द हुई, कहां संगठित अपराध की धाराएं लगीं, कितनी संपत्ति जब्त हुई, और क्या नई वारदातें रोकी गईं। नागरिकों के लिए IG क्राइम का नंबर साझा करना इस बात का संकेत है कि पुलिस सूचना को महत्व दे रही है और पहचान की गोपनीयता सुनिश्चित करेगी।

"सबसे बदनाम 5/10/20" की सूची सिर्फ कागज नहीं, बल्कि प्राथमिकता तय करने का टूल है। इससे संसाधन और समय वहीं लगेंगे जहां जोखिम सबसे ज्यादा है। थानों को पहचान, तलाश और गिरफ्तारी—तीनों मोर्चों पर साथ काम करना होगा। पहचान में CCTV फुटेज, कॉल डिटेल रिकॉर्ड, स्थानीय सूचनाएं और ट्रांजिट पॉइंट की निगरानी मदद करेगी। जमानत रद्द कराने के लिए ताजा गतिविधियों के रिकॉर्ड और साक्ष्य के साथ अदालत जाना होगा। जहां नेटवर्क और फंडिंग दिखे, वहां संगठित अपराध की धाराएं लगेंगी और संपत्ति जब्ती होगी, ताकि दोबारा अपराध करने की ताकत टूटे।

राहुल गांधी के आरोपों के बीच हरियाणा मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने साझा किए महत्वपूर्ण तथ्य

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके हरियाणा विधानसभा चुनाव, 2024 में वोट चोरी के आरोप लगाए। इसी बीच हरियाणा मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने चुनाव से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों के बारे में बताया। हरियाणा मुख्य निर्वाचन अधिकारी के आधिकारिक एक्स हैंडल से पोस्ट कर चुनाव के महत्वपूर्ण तथ्यों के बारे में बताया गया। पोस्ट में लिखा, 'मसौदा मतदाता सूचियां 2 अगस्त, 2024 को प्रकाशित और मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ साझा की गईं। एसएसआर (स्पेशल समरी रीविजन) के दौरान 4,16,408 दावें और आपत्तियां प्राप्त हुईं। 20,629 कुल बीएलओ की संख्या थी।'

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया, 'अंतिम मतदाता सूचियां 27.8.2024 को प्रकाशित और सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ साझा की गईं। जिलाधिकारियों के पास ईआरओ के विरुद्ध शून्य दायर अपील रही। जिलाधिकारियों के आदेशों के विरुद्ध मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पास दायर दूसरी अपीलों की संख्या भी शून्य रही। नाम वापसी की अंतिम तिथि तक मतदाता सूचियों को अंतिम रूप दे दिया गया और 16 सितंबर, 2024 को चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के साथ साझा की गईं।'

हरियाणा सीईओ ने बताया, 'हरियाणा में मतदान केंद्रों की कुल संख्या 20,632 थी। चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की कुल संख्या 1,031 थी। सभी चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों द्वारा नियुक्त मतदान एजेंटों की कुल संख्या 86,790 थी। मतदान के अगले दिन जांच के दौरान उम्मीदवारों द्वारा शून्य आपत्ति दर्ज कराई गई। मतगणना के लिए सभी उम्मीदवारों द्वारा नियुक्त मतगणना एजेंटों की संख्या 10,180 थी। मतगणना के दौरान रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा पांच शिकायतें/आपत्तियां प्राप्त हुईं। 8 अक्टूबर को रिजल्ट घोषित किए गए। चुनावों को चुनौती देने के लिए 23 चुनाव याचिका दायर की गई।'

बता दें कि लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके हरियाणा चुनाव के नतीजों पर कथित तौर पर गड़बड़ी करने का आरोप दोहराया है।

स्वदेशी राष्ट्रीय गोधन शिखर सम्मेलन 2025 नई दिल्ली में हुआ प्रारंभ, छह दिवसीय गौ-आधारित सतत विकास आंदोलन की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल

हिन्द जनपथ

नई दिल्ली: राष्ट्रीय गोधन महासंघ द्वारा आयोजित स्वदेशी राष्ट्रीय गोधन शिखर सम्मेलन 2025 का शुभारंभ आज नई दिल्ली के इंडिया गेट सर्किल स्थित मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में हुआ। यह छह दिवसीय शिखर सम्मेलन 5 से 10 नवम्बर 2025 तक आयोजित किया जाएगा और इसका प्रमुख विषय है 'बायो ई3 पॉलिसी के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत पर्यावरण अर्थव्यवस्था और रोजगार।'

सम्मेलन स्थल पर 600 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें पंचगव्य उत्पाद, जैविक खेती के समाधान, हरित ऊर्जा नवाचार और पर्यावरण अनुकूल तकनीकें प्रदर्शित की जा रही हैं। हैं। यह शिखर सम्मेलन उद्यमियों, किसानों और पर्यावरणविदों के लिए एक सशक्त मंच प्रदान कर रहा है. जहाँ गौधन आधारित अर्थव्यवस्था के नए अवसरों पर विचार विमर्श किया जा रहा है।

आज प्रातः इसका उद्घाटन श्री आलोक कुमार जी (अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष, विश्व हिंदू परिषद), श्री नायब सिंह सैनी (मुख्यमंत्री, हरियाणा), श्री संतोष तनेजा जी (संस्थापक, संकल्प) और सुश्री बंसुरी स्वराज जी (सांसद) की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। उद्घाटन दिवस का आरंभ प्रातः 9:00 बजे हवन से हुआ, जिसके पश्चात 11:00 से 12:30 बजे तक संबोधन - मंच कार्यक्रम आयोजित

हुआ और इसके बाद 12:30 बजे लंगर प्रसाद के साथ प्रथम दिवस का समापन हुआ।

इस अवसर पर राष्ट्रीय गोधन महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक श्री विजय खुराना ने कहा, 'बायो ई पॉलिसी के माध्यम से हमारा लक्ष्य पर्यावरण अर्थव्यवस्था और रोजगार के बीच एक सतत संतुलन स्थापित करना है। गौशालाएं अब केवल गायों की सेवा तक सीमित नहीं हैं बल्कि वे ग्रामीण सशक्तिकरण की रीढ़ बन चुकी हैं जो रोजगार सृजन हरित नवाचार और भारत की आत्मनिर्भर यात्रा को आगे बढ़ा रही हैं।' उन्होंने बताया कि देशभर की गौशालाओं के माध्यम से 20 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। वर्ष 2006 में जहां 9,500 गौशालाएं थीं. वहीं अब यह संख्या 2024 में बढ़कर 22,000 से अधिक हो चुकी है. जो गौ-आधारित उद्यमिता के निरंतर विस्तार को दर्शाती है।

राष्ट्रीय गोधन शिखर सम्मेलन 2025 की संयोजिका श्रीमती सुनीता दुग्गल ने कहा, 'प्रत्येक गौशाला में आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र बनने की क्षमता है जो आय सृजन जैविक विकल्पों को बढ़ावा देने और आजीविका व पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करने में सक्षम है। बायो ई ढांचा भारत को आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक व्यावहारिक मार्ग प्रदान करता है।' वर्षों से राष्ट्रीय गोधन महासंघ वैज्ञानिक, आर्थिक और पारिस्थितिक दृष्टि से गायों के महत्व को जन-जन तक पहुँचाने में अग्रणी रहा है। महासंघ की सतत पहलों के परिणामस्वरूप देश में गायों की संख्या 9.5 करोड़ से बढ़कर 22 करोड़ तक पहुँच चुकी है, जिससे गौधन भारत के ग्रामीण विकास और सतत अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार बन गया है। 10 नवम्बर 2025 तक प्रतिदिन आयोजित होने वाले सत्रों, पैनल चर्चाओं और प्रदर्शनियों के साथ, स्वदेशी राष्ट्रीय गोधन शिखर सम्मेलन 2025 भारत की पारंपरिक ज्ञान-संपदा को आधुनिक सतत विकास लक्ष्यों से जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है जो ग्रामीण उद्यमिता, हरित नवाचार और आर्थिक आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करती है. तथा यह कार्यक्रम श्री विजय खुराना की अध्यक्षता में आयोजित हो रहा है।

नादौन में 25 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित होगा एकीकृत एक्वा पार्क

शिमला। ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ते हुए, राज्य सरकार द्वारा हमीरपुर जिला के नादौन में 25 करोड़ रुपये के निवेश से एक एकीकृत एक्वा पार्क स्थापित किया जाएगा। परियोजना को साकार रूप प्रदान करने के लिए उपयुक्त भूमि की पहचान कर ली गई है और आईसीएआर-सीआईएफए, भुवनेश्वर द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई है। यह पार्क रोज़गार एवं स्वरोज़गार और आजीविका सृजन का महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभरेगा। सरकार के इस कदम से मत्स्य पालन क्षेत्र एक लाभदायक और टिकाऊ उद्यम के रूप में स्थापित होगा। यह आधुनिक फ्रेश वाटर एक्वा कल्चर तकनीकों को ज़मीनी स्तर तक पहुंचाने के केंद्र के रूप में कार्य करेगा। परियोजना के माध्यम से विविध एक्वा कल्चर और संबद्ध उपक्रमों जैसे मत्स्य बीज उत्पादन, मत्स्य आहार निर्माण, मूल्य संवर्धन और विपणन से युवाओं और किसानों की आर्थिकी सुदृढ़ होगी। यह पार्क उच्च गुणवत्ता वाले मत्स्य आहार की उपलब्धता सुनिश्चित करके स्थानीय किसानों के लिए मत्स्य उत्पादन बढ़ाने में मदद करेगा। इसमें मछली के आहार को तैयार करने और उन्नत मत्स्य पद्धतियों के लिए प्रदर्शन इकाइयां भी निर्मित की जाएंगी। यह इकाइयां बेरोजगार युवाओं को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करेंगी जिससे इस क्षेत्र में स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा। प्रस्ताव के अनुसार, यह पार्क भारतीय मेजर कार्प (रोहू - जयंती रोहू, कतला - अमृत कतला, मृगल), विदेशी कार्प (हंगेरियन और अमूर स्ट्रेन), माइनर कार्प (कुलवांस), कैटफ़िश (पंगेसियस, मुर्रेल) और सजावटी मछलियों (गोल्ड फिश, कोई कार्प, गप्पी, मौली) के उच्च-गुणवत्ता वाले बीज उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करेगा। अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे से सुसज्जित, इस एक्वा पार्क में कार्प और कैटफ़िश के लिए आधुनिक हैचरी सुविधाएं नर्सरी और पालन इकाइयां, ब्रूड स्टॉक पालन सुविधाएं, बायोफ्लोक और रीसर्क्युलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम (आरएएस) जैसी उच्च-स्तरीय जलीय प्रणालियां, एक फीड मिल, सजावटी मछली पालन इकाइयां, एक सार्वजनिक एक्वेरियम, विपणन और इनक्यूबेशन सुविधाओं के साथ एक एक्वा शॉप, एक प्रशासनिक-सह-प्रयोगशाला और प्रशिक्षण परिसर, एक क्वारंटीन और आर्द्र प्रयोगशाला, एक अपशिष्ट उपचार संयंत्र और अन्य आवश्यक सुविधाएं शामिल होंगी। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूत करना राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है और मत्स्य पालन क्षेत्र किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। विभाग को किसानों के बीच आधुनिक मछली उत्पादन पद्धतियों को प्रोत्साहन प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे उन्हें उनकी मेहनत के लाभकारी दाम उपलब्ध करवाए जाएंगे।.

एसटी कल्याण योजनाओं का सुचारू कार्यान्वयन करें सुनिश्चित : डा. आशा

- राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने की विभिन्न कार्यों की समीक्षा

धर्मशाला। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डा. आशा लकड़ा कहा कि जनजातीय वर्ग के कल्याण के लिए चलाए गए कार्यक्रमों एवं योजनाओं का सुचारू कार्यान्वयन सुनिश्चित करें तथा सभी अधिकारी नियमित तौर पर जनजातीय बहुल क्षेत्रों तथा पात्र लोगों के लिए चलाई जा रही योजनाओं का निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि जनजातीय वर्ग से संबंधित लोगों के हितों की रक्षा के लिए सभी विभागीय योजनाओं का लाभ उन्हें सुनिश्चित रूप से प्रदान किया जाना चाहिए। बुधवार को जिले के अनुसूचित जनजाति वर्ग से संबंधित लोगों के संवैधानिक सुरक्षा उपायों, कल्याण एवं विकास योजनाओं के कार्यान्वयन को लेकर उपायुक्त कार्यालय परिसर के सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डा. आशा लकड़ा ने कहा कि जनजातीय वर्ग के बच्चों को उनके क्षेत्र में शिक्षा की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना अत्यंत जरूरी है इसके साथ ही स्कूल जाना अनिवार्य जैसे अभियान चलाए जाएं ताकि स्कूलों में किसी भी स्तर पर बच्चों का ड्रॉप आउट रेट कम नहीं हो सके। उन्होंने जनजातीय बहुल क्षेत्रों में आंगनबाड़ी केंद्र खोलने के लिए भी उपयुक्त कदम उठाने तथा विद्यार्थियों के लिए जनजातीय हॉस्टल बनाने पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने जनजातीय वर्ग के लिए चलाई जा रही आवास योजनाओं को लेकर भी समीक्षा करते हुए कहा कि अधिकारी धरातल पर जाकर निर्माण कार्य का निरीक्षण करें तथा पात्र लोगों को ही इन योजनाओं का लाभ मिले यह भी सुनिश्चित करें। स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को उपमंडल स्तर पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कौशल विकास में ज्यादा से ज्यादा युवाओं को प्रशिक्षित करने व नियमित तौर पर रोजगार मेले भी आयोजित करने के लिए कहा गया है। औद्योगिक क्षेत्रों में जनजातीय वर्ग के लोगों को रोजगार तथा स्वरोजगार के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के तहत जनजातीय वर्ग के लोगों को लाभांवित करने के लिए कहा गया है। डा. आशा लकडा ने पशुपालन विभाग द्वारा जनजातीय वर्ग से संबंधित लोगों की सुविधा के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि भेड़-बकरी पालकों को स्थानीय प्रजातियों के संवर्धन में प्राथमिकता प्रदान की जाए। उन्होंने भेड़-बकरी पालकों को सुरक्षा तथा उनके पशु धन के लिए उपयुक्त स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश भी दिए गए। दुर्गम क्षेत्र बड़ा भंगाल में नेटवर्क की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए भी बीएसएनएल के अधिकारियों को निर्देश दिए गए। डा. आशा लकड़ा ने इस दौरान स्वर्ण जयंती आश्रय योजना, शिक्षा, विद्युत, पेयजल, कृषि-बागबानी,अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम वन अधिकार अधिनियम, वित्तीय समावेशन से संबंधित विभिन्न योजनाओं की भी समीक्षा की तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को सात दिनों के भीतर आवश्यक कार्रवाई कर रिपोर्ट प्रेषित करने के दिशा-निर्देश दिए। इससे पहले परिधि गृह धर्मशाला में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डा. आशा लकड़ा ने अनुसूचित जनजातीय संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उनकी विभिन्न समस्याओं को सुना। इस अवसर पर उपायुक्त हेमराज बैरवा, एसपी अशोक रत्न, डिप्टी सचिव राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग वाईपी यादव, एडीएम शिल्पी बेक्टा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे।

उप-मुख्यमंत्री ने कर्नल तेजेंद्र सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया

शिमला। उप–मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने भारतीय सेना में कर्नल पद पर सेवारत तेजेंद्र सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। कर्नल तेजेंद्र सिंह मंडी जिला के धर्मपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत लौंगणी से संबंध रखते थे। मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि कर्नल तेजेंद्र सिंह के राष्ट्र के प्रति समर्पण और वीरता को सदैव याद किया जाएगा। उनके द्वारा प्रदान की गई अनुकरणीय सेवाएं सभी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने परमपिता परमात्मा से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को इस अपूर्णीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री ने कर्नल तेजेंद्र सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कर्नल तेजेंद्र सिंह के निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंडी जिला के धर्मपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत लौंगणी से संबंध रखने वाले कर्नल तेजेंद्र सिंह का असामयिक निधन एक अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवारजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की और कहा कि राज्य सरकार इस दु:ख की घड़ी में परिवार के साथ है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवारजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

खिलाड़ियों की सम्मान राशि में की ऐतिहासिक वृद्धि : यादविन्द्र गोमा

- राष्ट्रीय फैडरेशन कप-2025 का रैत में भव्य समापन
- आयुष एवं खेल मंत्री यादविन्द्र गोमा ने बतौर मुख्यातिथि की शिरकत

शाहपुर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रैत में आयोजित राष्ट्रीय फैडरेशन कप क्लासिक एवं इक्विप्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप-2025 का आज समापन हुआ। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश के आयुष, युवा सेवाएं एवं खेल, कानून एवं विधि मंत्री यादविन्द्र गोमा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। आयुष एवं खेल मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार खिलाड़ियों के सम्मान और प्रोत्साहन के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने बताया कि सरकार ने खिलाड़ियों की सम्मान राशि में ऐतिहासिक वृद्धि की है

उन्होंने बताया कि ओलंपिक एवं पैरा ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं की राशि 3 करोड़ से बढ़ाकर 5 करोड़, रजत पदक विजेताओं की 2 करोड़ से बढ़ाकर 3 करोड़ और कांस्य पदक विजेताओं की 1 करोड़ से बढ़ाकर 2 करोड़ कर दी गई है। उन्होंने कहा कि एशियाई खेलों के पदक विजेताओं की राशि और खिलाड़ियों की डाइट मनी दोनों में वृद्धि की गई है। साथ ही, प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को राज्य से बाहर प्रतियोगिताओं के लिए निःशुल्क हवाई यात्रा की सुविधा भी प्रदान कर रही है, जिसका पूरा खर्च सरकार वहन करती है।

खेल मंत्री ने कहा कि प्रदेश में शीघ्र ही चार इनडोर स्टेडियम बनाए जाएंगे ताकि युवाओं को खेलों के अधिक अवसर मिल सकें। उन्होंने बताया कि कि रैत में 10 बिस्तरों वाला आयुर्वेदिक अस्पताल शीघ्र खोला जाएगा और चंबी खेल मैदान के लिए समुचित धनराशि उपलब्ध करवाई जाएगी।आयुष मंत्री ने फेडरेशन को 1 लाख तथा सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु ?11,000 देने की घोषणा की। शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने कार्यक्रम में पधारने के लिए मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि शाहपुर में अब तक सात राष्ट्रीय स्तर के आयोजन सफलतापूर्वक कराए जा चुके हैं और इसके लिए सभी विभागों का धन्यवाद किया। हिमाचल प्रदेश विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा, बतौर विशिष्ट अतिथि ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार संस्कारयुक्त शिक्षा को शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है। उन्होंने उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी। डॉ. वसु सिंह ढटवालिया ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में विजेताओं को मुख्यातिथि द्वारा ट्रॉफियां भेंट कर सम्मानित किया गया। चार दिवसीय इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर के लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया। ओवरऑल प्रदर्शन में महाराष्ट्र प्रथम, तेलंगाना द्वितीय, तथा उत्तर प्रदेश तृतीय स्थान पर रहा।

इक्विप्ड पावरलिफ्टिंग परिणाम

पुरुष 83 किग्रा वर्ग– निशांत शर्मा (तमिलनाडु) प्रथम, हिमांशु राणा (दिल्ली) द्वितीय, योगिंदर सोगरवाल (राजस्थान) तृतीय।

पुरुष 93 किग्रा वर्ग– रंजीत (उत्तर प्रदेश) प्रथम, यश चव्हाण (गुजरात) द्वितीय, शिव कुमार (हिमाचल प्रदेश) तृतीय।

पुरुष 105 किग्रा वर्ग– रोनित वर्मा (जम्मू-कश्मीर) प्रथम, सचिन तुकाराम (कर्नाटक) द्वितीय।

महिला 76 किग्रा वर्ग– निवेदिता खरकड़ (महाराष्ट्र) प्रथम, संतोष कौर (उत्तराखंड) द्वितीय, संगीता (उत्तराखंड) तृतीय।

महिला 84 किग्रा वर्ग– अश्लेषा ग्वेकेड़ (महाराष्ट्र) प्रथम, ज्योति (हरियाणा) द्वितीय, सोनम (पंजाब) तृतीय।

महिला 84+ किग्रा वर्ग– रंगू विरचि (तेलंगाना) प्रथम, नगम गनाना (अरुणाचल) द्वितीय, अवलीन कौर (पंजाब) तृतीय।

विद्यालय के बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रैत के प्रधानाचार्य शमशेर भारती ने मुख्यातिथि एवं सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर एसडीएम शाहपुर करतार चंद, वैज्ञानिक अधिकारी सुनंदा पठानिया, डीपीओ अशोक शर्मा, एसई विद्युत अमन, बीएमओ डॉ. कविता ठाकुर, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण लोक निर्माण अंकज सूद, अधिशासी अभियंता गज परियोजना सुभाष शर्मा, सलाहकार विनय, रेंज ऑफिसर सुमित शर्मा, एई जलशक्ति रज्जाक मोहम्मद, पूर्व सीएमओ डॉ. सुशील शर्मा, कांग्रेस नेता डीडी शर्मा, जिप सदस्य नीना ठाकुर, रीना पठानिया, पुष्पा जरियाल, सीएचटी अरविंद व पंकज मनकोटिया, अश्वनी चौधरी, पॉवरलिफ्टिंग संघ के सदस्यगण तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

श्री रेणुका जी झील पर प्रतिदिन आरती की पहल सराहनीय: राज्यपाल

राज्यपाल ने अंतर्राष्ट्रीय श्री रेणुका जी मेले के समापन समारोह की अध्यक्षता की

शिमला। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आज सिरमौर जिला के रेणुका जी में अंतर्राष्ट्रीय श्री रेणुका जी मेले के समापन समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर पर उन्होंने पवित्र श्री रेणुका जी झील के देवघाट पर प्रतिदिन आरती के आयोजन की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को संरक्षित करने की इस परंपरा को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु भक्तिभाव के साथ इस पवित्र स्थान पर आते हैं, यह अत्यंत प्रेरणादायक है। भगवान परशुराम की कृपा इस अटूट आस्था पर सदा बनी रहे।

उन्होंने आरती की नई परंपरा शुरू करने के लिए ज़िला प्रशासन और श्री रेणुका जी विकास बोर्ड की सराहना की और स्थानीय आश्रमवासियों से नियमित रूप से आरती करने का आग्रह किया। लोगों से अपनी सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण करने का आह्वान करते हुए उन्होंने देश की रक्षा में सिरमौर के लोगों के उल्लेखनीय योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि आस्था और भक्ति का संगम यह मेला देश भर के लोगों के लिए विशेष महत्व रखता है।

राज्यपाल ने श्री रेणुका जी क्षेत्र में प्राकृतिक सौन्दर्य के संवर्धन और इसकी पवित्रता बनाए रखने के लिए सरकार और समाज से सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने लोगों, विशेषकर युवाओं से नशे से दूर रहने और एक स्वस्थ एवं नशामुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हम सभी को अपने गांव को नशे के खतरे से मुक्त और सुरक्षित रखने का संकल्प लेने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संस्कृति हमारी सबसे बड़ी विरासत है और इसका पालन और संरक्षण करके ही समाज वास्तव में समृद्ध हो सकता है। श्री रेणुका जी को हिमाचल प्रदेश के सबसे खूबसूरत तीर्थ स्थलों में से एक बताते हुए उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम जी और माता रेणुका जी के मिलन की सदियों पुरानी परंपरा आज भी श्रद्धालुओं के मन में बसी हुई हैं।

राज्यपाल ने कहा कि मेलों और त्योहारों ने पीढ़ियों से भारत की सांस्कृतिक पहचान को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि समाज में प्रगति और समृद्धि के साथ-साथ हमें अपने नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों को भी संरक्षित करना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि श्री रेणुका जी मेला भगवान परशुराम जी का अपनी माता देवी रेणुका जी के प्रति भक्ति का प्रतीक है। यह मेला भारतीय समाज के शाश्वत मूल्यों को कायम रखता है। उन्होंने मेले के सफल आयोजन से जुड़े सभी लोगों को बधाई देते हुए कहा कि देवी रेणुका जी का विशेष धार्मिक महत्त्व है।

इस अवसर पर, राज्यपाल ने भगवान परशुराम जी और माता रेणुका जी के मंदिरों में पूजा-अर्चना की और पारंपरिक देव विदाई समारोह में भाग लिया। उन्होंने विभिन्न सरकारी विभागों, स्वयं सहायता समूहों और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉलों का भी अवलोकन किया। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों को आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण के लिए अपने प्रयास जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के उपाध्यक्ष और श्री रेणुका जी विकास बोर्ड के अध्यक्ष विनय कुमार ने राज्यपाल का स्वागत और उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने मेले के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष श्री रेणुका जी मेले का आयोजन ग्रीन फेयर के रूप में किया जा रहा है जो पर्यावरण संरक्षण की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। राज्यपाल ने सर्वश्रेष्ठ विभागीय प्रदर्शनियों के लिए पुरस्कार भी वितरित किए। उद्योग विभाग ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया, जबकि बागवानी विभाग दूसरे और कृषि विभाग तीसरे स्थान पर रहा। उपायुक्त प्रियंका वर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सांसद सुरेश कश्यप, राज्यपाल के सचिव सी.पी. वर्मा, पुलिस अधीक्षक निश्चिंत नेगी, श्री रेणुका जी विकास बोर्ड के पदाधिकारी, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। इससे पहले सुबह, माइना हेलीपैड पर राज्यपाल का विधानसभा उपाध्यक्ष विनय कुमार, उपायुक्त प्रियंका वर्मा, पुलिस अधीक्षक निश्चिंत नेगी और जिला प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

वर्तमान प्रदेश सरकार के कार्यकाल में सड़क दुर्घटनाओं में हुई भारी कमी

- सरकार के सड़क सुरक्षा सुधार के लिए उठाए गए कदमों से अनगिनत अमूल्य जीवन बचाए गए

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा सुधार के क्षेत्र में किए गए निरंतर प्रयासों के सकारात्मक और उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं। राज्य में सड़क दुर्घटनाओं में लगातार कमी आई है, जिससे अनगिनत अमूल्य जीवन बचाए गए हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2023 में कुल 2,253 सड़क दुर्घटनाओं के मामले दर्ज किए गए। वर्ष 2024 में यह संख्या घटकर 2,147 रह गई और वर्ष 2025 में अब तक केवल 1,457 दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं। सड़क दुर्घटनाओं में आ रही कमी प्रदेश सरकार की सक्रिय नीतियों, बेहतर निगरानी तंत्र और सड़क सुरक्षा पर व्यापक जन जागरूकता अभियानों की सफलता को प्रदर्शित कर रही है।प्रदेश सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि सरकार की यह उपलब्धि विशेष महत्त्व रखती है, क्योंकि हिमाचल प्रदेश को वर्ष 2023 और वर्ष 2025 में भारी भूस्खलन, बाढ़ और बादल फटने जैसी गंभीर प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ा। इन चुनौतियों के बावजूद राज्य सरकार ने विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों के माध्यम से सड़क सुरक्षा उपायों की दिशा में सराहनीय कार्य किया जिसके परिणामस्वरूप सड़क दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा क्षेत्र को प्रमुखता प्रदान कर वर्तमान प्रदेश सरकार ने अनेक प्रभावी कदम उठाएं है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी करने के लिए हर संभव उपाय करने के दिशा-निर्देश जारी किए हैं और सरकार का लक्ष्य न केवल दुर्घटनाओं की संख्या को कम करना है, बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन की सुरक्षा भी सुनिश्चित करना है।

डिजिलॉकर पर नागरिक-केंद्रित सेवाओं के एकीकरण के लिए हिमाचल प्रदेश को 'पीपल फर्स्ट् इंटीग्रेशन अवार्ड' से सम्मानित किया गया

शिमला। नागरिक-केंद्रित डिजिटल सेवा वितरण में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा सम्मानित किया गया है। हिमाचल प्रदेश के डिजिटल प्रौद्योगिकी एवं गवर्नेंस विभाग (डीडीटीजी) ने 51 हिमसेवा (ई-जिला सेवाओं) के साथ-साथ हिमपरिवार और हिमएक्सेस कार्ड को डिजिलॉकर प्लेटफॉर्म पर एकीकृत किया है। यह राज्य की डिजिटल परिवर्तन यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

डिजिटल प्रौद्योगिकी एवं गवर्नेंस विभाग को 4 नवंबर 2025 को नई दिल्ली में आयोजित डिजिलॉकर 2025 पर राष्ट्रीय कार्यशाला एवं सम्मेलन में प्रतिष्ठित 'पीपुल्स फर्स्ट् इंटीग्रेशन अवार्ड' से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार हिमाचल प्रदेश सरकार के डीडीटीजी सचिव आशीष सिंहमार को केन्द्रीय इलैक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव ने अतिरिक्त सचिव/महानिदेशक, एनआईसी और राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग (एनईजीडी) के सीईओ की उपस्थिति में प्रदान किया गया। यह

उपलब्धि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के हिम परिवार और हिम एक्सेस परियोजनाओं की परिकल्पनाओं की सफलतापूर्वक कार्यान्वित करने का प्रमाण है। इसका उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के लिए पारदर्शी, कुशल और समावेशी सेवा वितरण सुनिश्चित करने हेतु एक एकीकृत डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है।

मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (आईटी एवं नवाचार) गोकुल बुटेल ने विभाग को बधाई दी और कहा कि यह उपलब्धि नवाचार और प्रौद्योगिकी के माध्यम से डिजिटल समावेशन और नागरिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को इंगित कर रही है। डीडीटीएंडजी के निदेशक डॉ. निपुण जिंदल ने कहा कि विभाग ने डिजिलॉकर प्लेटफॉर्म पर 53 प्रकार के नागरिक प्रमाण पत्रों और दस्तावेजों को एकीकृत करने के लिए मिशन मोड पर काम किया है। इनमें हिम परिवार, हिम एक्सेस कार्ड, बोनाफाइड हिमाचली प्रमाणपत्र, परिवार रजिस्टर की प्रति, निवास प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र और हिमसेवा (ई-डिस्ट्रिक्ट) पोर्टल के माध्यम से प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाएं शामिल हैं।

यह एकीकरण न्यूनतम दस्तावेज़ीकरण और नागरिकों के लिए एक सुरक्षित, एकीकृत डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करके सरकारी सेवाओं तक निर्बाध, कुशल और पारदर्शी पहुंच सुनिश्चित करता है। राष्ट्रीय स्तर पर यह उपलब्धि हिमाचल प्रदेश के नेतृत्व की त्वरित, सरल, समावेशी और नागरिक आधारित सेवा वितरण के लिए प्रौद्योगिकी का सर्वोत्तम समावेश सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित कर रही है।

नगरोटा विस क्षेत्र के समग्र विकास को दी जा रही प्राथमिकता: बाली

- बोले विकास कार्यों में धन की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी
- लोगो से जो वायदे किए गए हैं उनको किया जा रहा पूरा

नगरोटा बगवां, धर्मशाला। पर्यटन निगम के अध्यक्ष कैबिनेट रैंक आरएस बाली ने कहा कि नगरोटा विधानसभा क्षेत्र का एक समान विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी क्षेत्रों में एक समान विकास को सुनिश्चित बनाने के लिए विभागों को आदेश जारी कर दिए गए हैं। बुधवार को लोगों की नगरोटा विस क्षेत्र की लोगों की समस्याएं सुनने के उपरांत पर्यटन निगम के अध्यक्ष आरएस बाली ने कहा कि नगरोटा के विकास में धन तथा बजट की किसी भी स्तर पर कमी नहीं रहने दी जाएगी। आरएस बाली ने कहा कि नगरोटा विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को तेजी प्रदान करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं तथा लोगो से जो वायदे किए गए हैं उनको पूरा किया जाएगा। विकास कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने तथा समयबद्व निर्माण कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। पर्यटन निगम के अध्यक्ष आरएस बाली ने कहा कि विकास पुरूष स्व जीएस बाली के सपनों को पूरा करने के लिए तत्परता के साथ कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकास पुरूष जीएस बाली ने नगरोटा में विकास मजबूत नींव रखी है तथा उसी पर अब नई इबारतें गढ़ी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि जीएस बाली का एक ही सपना था कि नगरोटा विस एक विकास की दृष्टि से एक आदर्श विस क्षेत्र बनकर अपनी पहचान कायम करे।पर्यटन निगम के अध्यक्ष आरएस बाली ने कहा कि नगरोटा के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क नेटवर्क को सुदृढ़ किया जा रहा है तथा सभी गांवों को चरणबद्व तरीके से सड़क सुविधा से जोड़ा जाएगा ताकि लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के लिए विकास की कार्य योजनाएं तैयार करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए गए हैं इसमें आम जनमानस के सुझाव भी मांगे गए हैं ताकि लोगों की डिमांड के मुताबिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकें। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग के हित को ध्यान में रखकर कल्याणकारी योजनाओं क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनमानस की समस्याओं का गंभीरता से हल करने तथा प्रदेश के नागरिको को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि लोगों को अपने कार्य करवाने के लिए अनावश्यक परेशान ना हो इसके लिये व्यवस्था विकसित की गई है।

आवश्यक सूचना

ब्पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। **सम्पादक:- एकान्ति रॉय गर्ग,** मुख्य कार्यालयः बूथ नं: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

‘युद्ध नशों विरुद्ध’: 249वें दिन पंजाब पुलिस ने 97 नशा तस्करों को 1.3 किलोग्राम हेरोइन और 3.5 लाख रुपये की ड्रग मनी सहित किया गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा राज्य से नशे के पूर्ण उन्मूलन के लिए चलाई जा रही मुहिम “युद्ध नशों विरुद्ध” के 249वें दिन, पंजाब पुलिस ने बुधवार को 381 स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान राज्यभर में 97 नशा तस्करों को गिरफ्तार कर 74 एफआईआर दर्ज की गईं। इस तरह 249 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या अब 35,377 हो गई है।

छापेमारी के दौरान गिरफ्तार तस्करों के कब्जे से 1.3 किलो हेरोइन, 900 ग्राम अफीम, 28 किलो भुक्की, 14,959 नशीली गोलियां और 3.50 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को पंजाब को नशामुक्त राज्य बनाने के लिए कहा है। राज्य सरकार ने नशों के खिलाफ चल रही इस जंग की निगरानी हेतु वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय कैबिनेट उप-समिति का गठन भी किया है।

69 राजपत्रित अधिकारियों की निगरानी में 1000 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 120 से ज्यादा पुलिस टीमों ने राज्यभर में 381 स्थानों पर छापेमारी की। दिनभर चले इस अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने 371 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की।

राज्य सरकार ने नशों के उन्मूलन के लिए तीन-स्तरीय रणनीति - प्रवर्तन, नशा मुक्ति और रोकथाम - लागू की है। इसी के तहत पंजाब पुलिस ने आज 27 व्यक्तियों को नशा मुक्ति और पुनर्वास उपचार के लिए राजी किया है।

बलियावाल ने दिल्ली मुख्यमंत्री को लिखा पत्र -चांदनी चौक का नाम “सीस गंज” करने की अपील

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भाजपा पंजाब के प्रवक्ता और वरिष्ठ नेता प्रितपाल सिंह बलियावाल ने दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी को एक भावनात्मक पत्र लिखकर आग्रह किया है कि श्री गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत वर्षगांठ के पावन अवसर पर ऐतिहासिक चांदनी चौक क्षेत्र का नाम बदलकर “सीस गंज” रखा जाए। साथ ही, उनके साथ शहीद हुए तीन महान सिख शहीदों — भाई मती दास जी, भाई सती दास जी और भाई दयाला जी — के नाम पर आसपास के मेट्रो स्टेशनों का नामकरण किया जाए।

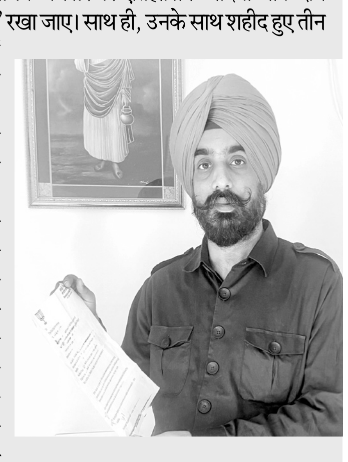

अपने पत्र में बलियावाल ने लिखा है कि गुरु नानक देव जी की 556वीं जयंती के अवसर पर वे एक सिख और भारतीय नागरिक के रूप में गहरी श्रद्धा और सम्मान के साथ यह पहल कर रहे हैं, ताकि देश की आने वाली पीढ़ियाँ “हिंद की चादर” गुरु तेग बहादुर जी की महान शहादत से परिचित हो सकें।

उन्होंने मुगल शासक औरंगज़ेब के शासनकाल (1675) में हुए धार्मिक उत्पीड़न और जबरन धर्म परिवर्तन के दौर का उल्लेख करते हुए बताया कि उस समय 500 से अधिक कश्मीरी पंडितों ने पंडित कृपा राम के नेतृत्व में आनंदपुर साहिब जाकर गुरु साहिब से धर्म रक्षा की गुहार लगाई थी।

इसके उत्तर में गुरु तेग बहादुर जी ने “सरबत दा भला” (सबके कल्याण) की भावना से जुलम और अत्याचार के खिलाफ अपना बलिदान देने के निर्णय लिय।

गुरु साहिब और उनके साथियों पर दिल्ली में बहुत ही जुल्म किया गया

भाई मती दास जी को आरी से चीर दिया गया, भाई सती दास जी को रुई में लपेटकर जीवित जला दिया गया, भाई दयाला जी को उबलते पानी में डालकर शहीद किया गया।

अंत में गुरु तेग बहादुर जी का शीश उसी स्थान पर धड़ से अलग किया गया, जहाँ आज गुरुद्वारा श्री सीस गंज साहिब स्थित है — जो आज भी धर्म, बलिदान और मानवता की रक्षा का प्रतीक है।

बलियावाल ने लिखा — “यदि चांदनी चौक का नाम ‘सीस गंज’ रखा जाता है, तो यह निर्णय केवल प्रशासनिक परिवर्तन नहीं होगा, बल्कि भारत की आत्मा, सहिष्णुता, त्याग और धार्मिक स्वतंत्रता के मूल्यों का सम्मान होगा।” उन्होंने आगे कहा कि यह निर्णय न केवल राष्ट्रीय गौरव का विषय बनेगा, बल्कि दुनिया भर में बसे करोड़ों सिखों और भारतीयों के हृदयों में आध्यात्मिक गर्व और श्रद्धा का भाव भर देगा। अंत में उन्होंने कहा —“चांदनी चौक का नाम ‘सीस गंज’ करना, गुरु तेग बहादुर जी की शहादत की भावना को अमर कर देगा और आने वाली पीढ़ियों को यह याद दिलाएगा कि सत्य के लिए सिर कटाया जा सकता है, पर झुकाया नहीं जा सकता।”

जेजेपी ने इनेलो नेता कर्ण चौटाला को भेजा मानहानि का नोटिस, 15 दिन का दिया समय

चंडीगढ़। 1990 में हुए महम कांड को लेकर इनेलो नेता कर्ण चौटाला द्वारा मीडिया को दिए गए एक इंटरव्यू में झूठ प्रचार करने पर जननायक जनता पार्टी ने कड़ी आपत्ति जाहिर की है। जेजेपी ने इनेलो नेता कर्ण को 15 दिन का समय देते हुए मानहानि का नोटिस भेजा है। दरअसल, एक इंटरव्यू में कर्ण ने महम कांड की एफआईआर में जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय चौटाला का नाम होने का झूठा दावा किया था, जिसके बाद जेजेपी ने यह एक्शन लिया है। इस बारे जेजेपी नेता एडवोकेट मनदीप बिश्नोई ने इनेलो नेता को लीगल नोटिस भेजते हुए आगामी 15 दिनों में इसको लेकर माफी मांगने के साथ-साथ इस सम्बंध में जारी वीडियो क्लिप को सोशल मीडिया व अन्य प्लेटफार्म से हटाने की मांग की है। जेजेपी नेता ने कहा कि कर्ण ने हालात और तथ्यों से परे हटते हुए जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद अजय चौटाला का नाम एफआईआर में दर्ज होने सहित जो आरोप लगाए है, वे पूरी तरह से बेबुनियाद है और इससे जेजेपी के कार्यकर्ताओं के साथ-साथ प्रदेश के लाखों नागरिकों की भावनाएं आहत हुई है। जेजेपी नेता मनदीप ने बताया कि प्रदेश का हर आमजन महम कांड की सच्चाई को जानता है और उस घटना की जो एफआईआर नम्बर 76 दिनांक 01.03.1990 जेर धारा 302,307,148,149 आईपीसी थाना महम में दर्ज हुई है, उसमें शिकायतकर्ता धर्मपाल पुत्र अमी लाल जाट निवासी मदीना जिला रोहतक ने अपनी शिकायत में अभय सिंह चौटाला को नामजद करते हुए शिकायत दी थी, जिस पर उपरोक्त मुकदमा नम्बर 76/1990 दर्ज हुआ था और उसमें अभय सिंह का नाम था। साथ ही एडवोकेट बिश्नोई ने बताया कि जिस दिन की घटना बताई जा रही है उस दिन अजय चौटाला महम में ही नहीं थे, बल्कि वे राजस्थान के विधानसभा क्षेत्र दाता रामगढ़ गए हुए थे। मनदीप बिश्नोई ने कहा कि कर्ण ने बिना तथ्यों के जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष की छवि को खराब करने की कोशिश की है, जबकि प्रदेश का हर आमजन अजय चौटाला की मिलनसारिता व मृदभाषी स्वभाव से वाकिफ है। उन्होंने कहा कि जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष की साफ-सुथरी छवि से घबराकर इनेलो नेता ऐसे झूठे और बेबुनियाद बयान दे रहे है, जिनका कोई आधार ही नहीं है। मनदीप ने कहा कि 15 दिनों के अंदर इनेलो नेता सार्वजनिक तौर पर माफी मांगे और सोशल मीडिया प्लेटफार्म से इससे संबंधित वीडियो क्लिप को हटाए अन्यथा इनेलो नेता के खिलाफ इस विषय को अदालत में उठाया जाएगा।

बुड्ढा दरिया पुनरुद्धार कार्यों के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे : संजीव अरोड़ा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। बुड्ढा दरिया के पुनरुद्धार के लिए गठित उच्च-स्तरीय समिति ने पर्यावरण के दृष्टिकोण से इस जल स्रोत को बहाल करने की दिशा में बड़े पैमाने पर हो रही प्रगति की रिपोर्ट प्रस्तुत की है। हाल ही में की गई समीक्षा के अनुसार, जुलाई-अगस्त 2025 की बैठकों के दौरान लिए गए लगभग 90% निर्णय लागू किए जा चुके हैं।

इस उच्च-स्तरीय समिति का गठन पंजाब सरकार द्वारा 14 जुलाई 2025 के अधिसूचना के माध्यम से किया गया था। इसकी अध्यक्षता पंजाब के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री संजीव अरोड़ा ने की, जबकि पंजाब के मुख्य सचिव इसके उपाध्यक्ष हैं। इसमें स्थानीय निकाय, जल संसाधन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, पीपीसीबी, पेडा, लोक निर्माण विभाग (बी एंड आर), पीडीसी, आईआईटी रोपड़ के वरिष्ठ अधिकारी तथा लुधियाना के उपायुक्त और नगर निगम आयुक्त सदस्य हैं।

जुलाई से अक्तूबर 2025 तक की प्रमुख उपलब्धियों में 650 करोड़ का बुनियादी ढांचा नवीनीकरण प्रोजेक्ट शामिल है। गऊघाट इंटरमीडिएट पंपिंग स्टेशन अब पूरी तरह से क्रियाशील है। संवेदनशील स्थानों पर ढलान और निकासी से जुड़े मुद्दे निरंतर निगरानी द्वारा हल किए गए हैं। एनआईएच रुड़की के अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ है कि वर्तमान एसटीपी में कोई भी क्षमता की कमी नहीं है।

गौ-गोबर और डेयरी अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में बताते हुए कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा कि ज़ीरो-डिस्चार्ज नीति को 100% लागू किया गया है। नगर निगम द्वारा घर-घर जाकर अपशिष्ट एकत्र किया जा रहा है। आरएफपी के माध्यम से दीर्घकालिक प्रबंधन साझेदार को शामिल किया जा रहा है, जो नवंबर 2025 के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। संयुक्त विभागीय पैदल सर्वेक्षण के बाद 21 अवैध डिस्चार्ज बिंदुओं की पहचान की गई है और एफआईआर दर्ज की गई हैं।

उन्होंने कहा कि शहर की सीमाओं से बाहर अवैध डेयरियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है, जिसमें जिला टास्क फोर्स ने 76 में से 71 अवैध डेयरियों को बंद कराया है। शेष 5 डेयरियां प्रदूषणमुक्त पाई गई हैं और निगरानी में रखी गई हैं।

उन्होंने बताया कि सीबीजी प्लांट और अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन के दीर्घकालिक उपायों पर काम किया जा रहा है। वर्तमान 200 एमटीपीडी सीबीजी प्लांट पूरी तरह से चालू हैं। एचपीसीएल का 300 एमटीपीडी सीबीजी प्लांट निर्माणाधीन है और एक अन्य ऐसा संयंत्र जल्द शुरू होगा। पेडा ने इन निवेशों के लिए मंजूरी और स्वीकृतियाँ प्रदान की हैं। औद्योगिक अपशिष्ट और सीईटीपी अनुपालन पर जोर देते हुए, उन्होंने बताया कि 15 एमएलडी, 40 एमएलडी और 50 एमएलडी के सीईटीपी अब पीपीसीबी की निगरानी के तहत निर्धारित बीओडी/सीओडी स्तरों पर काम कर रहे हैं, हालांकि समानता को और मजबूत किया जा रहा है। सीईटीपी में टीडीएस को कम करने और ज़ीरो लिक्विड डिस्चार्ज (जेड एल डी) की दिशा में अतिरिक्त तकनीकों का परीक्षण किया जा रहा है। तमिलनाडु वॉटर इन्वेस्टमेंट कंपनी (टी डब्लू आई सी) द्वारा उन्नत अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक रोडमैप तैयार किया जा रहा है। इलेक्ट्रोप्लेटिंग इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई के संबंध में, उन्होंने बताया कि सभी इलेक्ट्रोप्लेटिंग इकाइयों की डिजिटल मैपिंग पूरी हो चुकी है। निरीक्षण जारी हैं, और गैर-अनुपालन इकाइयों को सील कर दिया गया है। पीपीसीबी और नगर निगम द्वारा कानूनी कार्रवाई शुरू की जा चुकी है। स्रोत वितरण और प्रदूषण विश्लेषण के लिए आईआईटी रोपड़ द्वारा वैज्ञानिक मूल्यांकन और डिजिटल निगरानी की जा रही है। प्रारंभिक निष्कर्ष नवंबर 2025 तक आने की उम्मीद है, जबकि अंतिम रिपोर्ट 2026 की दूसरी तिमाही तक तैयार होगी। प्रदूषण स्रोतों को अब डिजिटल रूप से ट्रैक किया जा रहा है। कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा कि इन प्रयासों के असरदार परिणाम सामने आ रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, बीओडी (जैव-रासायनिक ऑक्सीजन मांग) जनवरी 2025 में 155 से घटकर अक्तूबर 2025 में 50 मिलीग्राम/लीटर से नीचे आ गई है। इसी तरह, सीओडी (रासायनिक ऑक्सीजन मांग) 400 मिलीग्राम/लीटर से घटकर 150 मिलीग्राम/लीटर हो गई है।

हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से की मुलाकात

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़/तिरुवनंतपुरम- पंजाब के लोक निर्माण मंत्री स. हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने आज तिरुवनंतपुरम में केरल के मुख्यमंत्री श्री पिनाराई विजयन से भेंट की और श्री गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत शताब्दी से संबंधित राज्य स्तरीय आयोजनों में भाग लेने के लिए उन्हें औपचारिक निमंत्रण दिया।

स. हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने केरल के मुख्यमंत्री को इस अवसर को अत्यंत श्रद्धा और भव्यता से मनाने के लिए पंजाब सरकार द्वारा तैयार की गई विस्तृत योजनाओं के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि एक महीने तक चलने वाले इन आयोजनों के दौरान गुरु साहिब द्वारा धार्मिक स्वतंत्रता और मानवता के सम्मान की रक्षा के लिए दी गई अद्वितीय शहादत को याद किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 25 अक्तूबर को दिल्ली स्थित गुरुद्वारा श्री सीस गंज साहिब में अरदास के साथ इन शहादत समारोहों की शुरुआत हो चुकी है, जिसके बाद पंजाब भर में धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब के जीवन और उपदेशों पर आधारित लाइट एंड साउंड शो सभी 23 जिलों में आयोजित किए जा रहे हैं, जबकि गुरु साहिब जी के चरण स्पर्श से पावन 130 स्थलों पर कीर्तन दरबार और धार्मिक समारोह होंगे।

मंत्री ने बताया कि चार नगर कीर्तन — श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर), गुरदासपुर, फरीदकोट और तख्त श्री दमदमा साहिब (पंजाब) से रवाना होंगे, जो 22 नवंबर को श्री आनंदपुर साहिब पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि 23 से 25 नवंबर तक होने वाले मुख्य समारोहों में श्री अखंड पाठ साहिब, सर्व-धर्म सम्मेलन, पंजाब विधानसभा का विशेष सत्र और विशाल कीर्तन दरबार शामिल होंगे। साथ ही, श्री आनंदपुर साहिब में प्रतिदिन आने वाले हजारों श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए “चक्क नानकी” नामक विशाल टेंट सिटी भी तैयार की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री पिनाराई विजयन ने श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की महान विरासत को श्रद्धापूर्वक स्मरण करने के लिए पंजाब सरकार की धार्मिक पहल की सराहना करते हुए कहा कि इन आयोजनों के माध्यम से विश्वभर में एकता, करुणा और सह-अस्तित्व का अमर संदेश प्रसारित होगा। उन्होंने इन समारोहों की सफलता के लिए पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया।

25 लाख वोट कैसे और क्यों चुराए', कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने चुनाव आयोग से पूछे सवाल

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के नए दावों ने हरियाणा की राजनीति को गरमा दिया है। आरोपों का समर्थन करते हुए हरियाणा कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि आयोग को जवाब देना चाहिए। कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा ने वोटर लिस्ट पर सवाल उठाते हुए कहा, ‘ऐसे कई मामले सामने आते हैं, जहां एक ही व्यक्ति की तस्वीर अलग-अलग नामों, उम्र और यहां तक कि लिंग के साथ दिखाई देती है। चुनाव आयोग इस पर ध्यान क्यों नहीं दे पाया ? क्या यह हमारे बूथ-स्तरीय एजेंटों की गलती है ? आयोग को जवाब देना चाहिए।‘ उन्होंने कहा कि जवाब देने की बजाय चुनाव आयोग मामले को टालने और सवाल उठाने वालों को चुप कराने की कोशिश कर रहा है, जबकि सारे सबूत साफ तौर पर उसकी अपनी विफलता की ओर इशारा करते हैं।

कुमारी शैलजा ने कहा, ‘चुनाव आयोग और सरकार को जवाब देना चाहिए कि हरियाणा चुनाव में 25 लाख वोट कैसे और क्यों चुराए गए। आयोग ने इतने बड़े पैमाने पर धांधली कैसे होने दी, जो साफ दिखाई दे रही है ? इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।‘

उन्होंने कहा, ‘अभी दो और श्रेणियां हैं, जिन्हें हमने अभी तक शामिल नहीं किया है, क्योंकि चुनाव आयोग ने वह आंकड़ा उपलब्ध नहीं कराया है। लेकिन न्यूनतम गणना के साथ भी, 25 लाख का आंकड़ा साफ दिखाई देता है। राहुल गांधी ने पूरे सबूतों के साथ इसे देश के सामने पेश किया है, जिससे पता चलता है कि चुनाव आयोग इसमें कैसे शामिल था। चुनाव आयोग को जो काम करने थे, वे बार-बार कहने के बावजूद नहीं किए गए। इससे साफ जाहिर होता है कि आयोग भी इसमें शामिल था।‘

कांग्रेस सांसद ने यह भी कहा कि इस गंभीर मुद्दे से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश नहीं की जानी चाहिए।

हरियाणा में 'वोट चोरी' पर कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, ‘हरियाणा में वोट चोरी के साथ सत्ता चोरी हुई है और हम बहुत जल्द तथ्यों के साथ खुलासा करेंगे। चुनाव आयोग अब चुप्पी नहीं साध सकता, हरियाणा जवाब मांग रहा है।‘

शब्दों के हेरफेर से पंजाबियों को बेवकूफ न बनाओ, पंजाब विश्वविद्यालय पर लिया गया फैसला तुरंत वापस लोः मुख्यमंत्री की भारत सरकार से मांग

- **लोगों को गुमराह करने वाली घटिया हरकतों से बाज़ आए केंद्र सरकार**
- **पंजाब सरकार प्रतिष्ठित वकीलों की सलाह से सभी कानूनी रास्ते तलाशेगी**

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विश्वविद्यालय के मुद्दे पर लोगों को गुमराह करने के लिए घटिया हथकंडे अपनाने पर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि केंद्र सरकार को चाहिए कि वह ऐसी नीच हरकतों से बाज़ आए और लोगों को मूर्ख बनाने की कोशिश न करे।

मुख्यमंत्री ने कहा, “पंजाबी लोग आपके संदिग्ध रवैये से भली-भांति परिचित हैं। वे इस मुद्दे पर केवल शब्दों की हेराफेरी वाले पत्रों से अपने संघर्ष से नहीं भटकेंगे और जब तक पंजाब विश्वविद्यालय से संबंधित आदेश पूरी तरह वापस नहीं लिए जाते, तब तक चैन से नहीं बैठेंगे।”

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ की सीनेट और सिंडिकेट को गैर-कानूनी तरीके से भंग करने के केंद्र के निर्णय के खिलाफ सभी कानूनी रास्ते तलाशेगी, जिनमें देश के प्रतिष्ठित कानूनविदों को शामिल किया जाएगा। इस कदम को स्थापित नियमों की गंभीर उल्लंघना करार देते हुए उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र की उच्च शिक्षा के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक, इस विश्वविद्यालय की लोकतांत्रिक और स्वायत्त परंपरा पर सीधा हमला है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि सीनेट और सिंडिकेट जैसी प्रतिनिधिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोई भी कोशिश शैक्षणिक समुदाय और पंजाब के लोगों की इच्छाओं की अनदेखी के समान है।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह केवल कानूनी लड़ाई नहीं है, बल्कि पंजाब विश्वविद्यालय पर पंजाब के अधिकारों की रक्षा करना राज्य सरकार की संवैधानिक ज़िम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि पंजाब सरकार किसी भी स्थिति में विश्वविद्यालय के कार्य में अपने हिस्से, अधिकारों या भागीदारी को घटाने की अनुमति नहीं देगी। शैक्षणिक संस्थानों की स्वायत्तता और गरिमा के प्रति अपनी सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार इस तरह के मनमाने निर्णयों का विरोध करने में राज्य की जनता के साथ मजबूती से खड़ी है।

उन्होंने दोहराया कि 1947 में देश के विभाजन के बाद लाहौर में स्थित अपनी मुख्य विश्वविद्यालय के नुकसान की भरपाई के लिए पंजाब विश्वविद्यालय की स्थापना पंजाब विश्वविद्यालय अधिनियम, 1947 (1947 का अधिनियम VII) के तहत की गई थी। भगवंत सिंह मान ने बताया कि 1966 में राज्य के पुनर्गठन के बाद पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 ने इसके अस्तित्व को बनाए रखा, जिसका अर्थ था कि विश्वविद्यालय पहले की तरह कार्य करता रहेगा और वर्तमान पंजाब राज्य में शामिल क्षेत्रों पर इसका अधिकार क्षेत्र पूर्ववत रहेगा।

श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहादत दिवस: कुल 1563 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे चार नगर कीर्तन- तरुनप्रीत सिंह सौंद

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के पर्यटन और सांस्कृतिक मामलों के मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने बताया कि पंजाब सरकार श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहादत दिवस पूरे श्रद्धा और भव्यता के साथ मना रही है। इन आयोजनों की सफलता और समुचित प्रबंधन के लिए पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामलों का विभाग नोडल विभाग नियुक्त किया गया है।

सौंद ने बताया कि 19 नवंबर को विभिन्न धार्मिक स्थलो से शुरू होने वाले चार नगर कीर्तनों की कुल लंबाई 1563 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे और यह पूरे पंजाब के प्रमुख शहरों और कस्बों से होकर 22 नवंबर को श्री आनंदपुर साहिब पहुंचेंगे।

उन्होंने बताया कि मुख्य नगर कीर्तन 19 नवंबर को श्रीनगर से शुरू होगा, जो जम्मू, पठानकोट, दसूहा, होशियारपुर, माहिलपुर और गढ़शंकर होते हुए 22 नवंबर को श्री आनंदपुर साहिब पहुंचेगा। नगर कीर्तन का ठहराव 19 नवंबर को जम्मू, 20 नवंबर को पठानकोट और 21 नवंबर को होशियारपुर में होगा। इस नगर कीर्तन की कुल लंबाई 544 किलोमीटर की दूरी तय करेगा।

माझा-दोआबा मार्ग पर 20 नवंबर को नगर कीर्तन गुरदासपुर से शुरू होगा, जो बटाला, बाबा बकाला, श्री अमृतसर साहिब, तरन तारन, गोइंदवाल साहिब, कपूरथला, करतारपुर, जालंधर, बंगां और बलाचौर से होता हुआ 22 नवंबर को श्री आनंदपुर साहिब पहुंचेगा। नगर कीर्तन का ठहराव 20 नवंबर को श्री अमृतसर साहिब और 21 नवंबर को जालंधर में रहेगा। यह नगर कीर्तन कुल 345 किलोमीटर का फासला तय करके श्री आनंदपुर साहिब पहुंचेगा ।

मालवा-1 रूट पर 20 नवंबर को नगर कीर्तन फरीदकोट से आरंभ होगा, जो फिरोजपुर, मोगा, जगराओं, लुधियाना, खन्ना, सिरहिंद, फतेहगढ़ साहिब, मुरिंडा, चमकौर साहिब और रूपनगर से होता हुआ 22 नवंबर को श्री आनंदपुर साहिब पहुंचेगा। इसका ठहराव 20 नवंबर को लुधियाना और 21 नवंबर को फतेहगढ़ साहिब में रहेगा। यह नगर कीर्तन की कुल लंबाई 320 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए श्री आनंदपुर साहिब पहुंचेगा।

सौंद ने आगे कहा कि मालवा-2 मार्ग पर 20 नवंबर को नगर कीर्तन तलवंडी साबो से शुरू होगा, जो बठिंडा, बरनाला, संगरूर, पटियाला, राजपुरा, बनूर, मोहाली, कुराली और रूपनगर होते हुए 22 नवंबर को श्री आनंदपुर साहिब पहुंचेगा। नगर कीर्तन का ठहराव 20 नवंबर को संगरूर और 21 नवंबर को मोहाली में रहेगा। यह नगर कीर्तन की कुल लंबाई 354 किलोमीटर का फासला तय करेगा ।

जेजेपी संगठन में विस्तार, राष्ट्रीय-प्रदेश और हलका स्तर पर 32 पदाधिकारी घोषित

चंडीगढ़। जननायक जनता पार्टी ने अपने संगठन में विस्तार करते हुए राष्ट्रीय, प्रदेश और हलका स्तर पर कई महत्वपूर्ण नियुक्तियां की हैं। जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला, पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला, जेजेपी प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा, राष्ट्रीय संगठन सचिव राजेंद्र लितानी व अन्य वरिष्ठ नेताओं ने विचार-विमर्श करके 32 पदाधिकारियों की नियुक्तियों की सूची जारी की। जेजेपी राष्ट्रीय कार्यकारिणी में मास्टर तारा चंद को राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई हैं। एडवोकेट शेर सिंह खरब और धर्मपाल यादव राष्ट्रीय सदस्य होंगे। वहीं रणधीर पूनिया हिसार, करण सिंह देपल और मुंशीराम बेनीवाल को राष्ट्रीय विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया हैं। जेजेपी की प्रदेश कार्यकारिणी में प्रदेश सचिव के पद पर जगबीर सिंह कुरुक्षेत्र, महम सिंह राजेपुर और सज्जन लावट को नियुक्त किया गया हैं। राजबीर नरवाल और यशपाल बुडैन को प्रदेश संयुक्त सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बेगराज नागर, सोहन लाल बठला और डॉ सौरभ गुप्ता प्रदेश सदस्य और अशोक मोर सोनीपत प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे।

जेजेपी किसान प्रकोष्ठ में प्रदेश उपाध्यक्ष के पद सुरेंद्र धोला पानीपत को नियुक्त किया गया हैं। धर्मबीर राठी, ईश्वर लोरा और बलवान सिंह थुआ को किसान प्रदेश महासचिव बनाया गया हैं। प्रदेश सचिव के पद की जिम्मेदारी अनिल कुंडू सरपंच पिल्लूखेड़ा, सुरेंद्र मलिक सोनीपत, राम रतन शर्मा और सोहन लाल गुर्जर को सौंपी गई है।

राहुल गांधी के “वोट चोरी” बयान पर बोले हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज - “पहले राहुल गांधी आईएईए को बताएं उनके पास कितने बॉम्ब हैं, आए दिन फोके बॉम्ब फोड़ते रहते हैं”

“राहुल गांधी देश को तोड़ने और बांटने वाली बातें करते हैं, जबकि हम सब भारतीय हैं, सब हिन्दुस्तानी हैं” - अनिल विज

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने आज कांग्रेस नेता राहुल गांधी की “वोट चोरी” संबंधी प्रेस वार्ता पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि राहुल गांधी अपने बयानों से देश में भ्रम फैलाने और समाज को बांटने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि “राहुल गांधी आए दिन फोके बॉम्ब फोड़ते रहते हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि पहले वे अंतरराष्ट्रीय संस्था आईएईए (इंटरनेशनल एटोमिक एनर्जी एजेंसी) को यह बताएं कि उनके पास कितने बॉम्ब हैं, कितने एटम बॉम्ब, कितने हाइड्रोजन बॉम्ब, और कितने फोके बॉम्ब। वे बिना तथ्यों के निराधार आरोप लगाते रहते हैं।''

श्री विज आज मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे

कैबिनेट मंत्री ने राहुल गांधी द्वारा हाल में की गई प्रेस वार्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने कहा था कि हरियाणा में एक ब्राजील की महिला ने 10 बूथों पर 22 बार वोट किया, यह दावा पूरी तरह झूठ पर आधारित है। उन्होंने पहले कहा था कि लिस्ट दिखाई है, पर यह नहीं बताया कि पोल कितनी हुई है - दोनों बातें अलग-अलग हैं। वोट गलती से भी बन सकती है। अगर किसी महिला ने दोबारा वोट किया था तो इनका पोलिंग एजेंट कहा था उसने उसे रोका क्यों नहीं ?”, तब इनकी पार्टी क्या कर रही थी। विज ने आगे कहा कि “राहुल गांधी झूठ का पुलिंदा हैं। झूठ का हलवा बनाने में राहुल गांधी बहुत माहिर हैं।”

“राहुल गांधी देश को तोड़ने वाली बातें करते हैं, जबकि हम सब भारतीय हैं” - विज

राहुल गांधी द्वारा भारतीय सेना को लेकर दिए गए विवादास्पद बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि ऐसा कहना न केवल सेना का अपमान है, बल्कि देश को जाति और वर्गों में बांटने का प्रयास भी है। उन्होंने कहा कि “राहुल गांधी लगातार देश को तोड़ने वाली बातें करते हैं, बांटने वाली बातें करते हैं।

जबकि सच्चाई यह है कि हम सब एक हैं, हम सब भारतीय हैं, हम सब हिन्दुस्तानी हैं। वह अलग-अलग तबकों में बांटकर लोगों को आपस में भिड़वाना चाहते हैं, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।”

“मोदी वोट चोरी नहीं करते, भाजपा की सरकारें पूरी ईमानदारी से बनती हैं”- विज

राहुल गांधी के इस बयान पर कि “प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिना वोट चोरी किए कहीं भी सरकार नहीं बना सकते,” पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए अनिल विज ने कहा कि “मोदी वोट चोरी करते ही नहीं हैं। भाजपा की सरकारें पूरी सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और जनता के विश्वास से बनती हैं। राहुल गांधी बिना सबूत के देश के लोकतंत्र पर सवाल उठाकर संस्थाओं की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं।”

“अखिलेश और राहुल गांधी की कथनी और करनी में बहुत अंतर है” - विज

सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा भाजपा पर भ्रष्टाचार के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए अनिल विज ने कहा कि “अखिलेश यादव पहले अपने कार्यकाल में हुए घोटालों को देखें। लालू प्रसाद यादव के शासनकाल में क्या क्या गुल खिले, सबको मालूम है। राहुल गांधी ने एक सजायाप्त व्यक्ति को मंच पर खड़ा कर उसका चेहरा दिखाया- इससे स्पष्ट है कि इन दलों की कथनी और करनी में बहुत अंतर है।”

संपादकीय

धार्मिक स्थलों पर व्यापक लापरवाही से उपजी मुश्किल अब जटिल हो चुकी है

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के कासीबुग्गा में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में शनिवार को भगदड़ मचने से कई लोगों की मौत हो गई और पच्चीस से ज्यादा लोग घायल हो गए। धार्मिक स्थलों से लेकर अन्य किसी जगह पर बड़ी संख्या में लोगों के जमावड़े में होने वाली भगदड़ की घटनाएं जिस तरह लगातार सामने आ रही हैं, उससे पता चलता है कि व्यापक लापरवाही से उपजी मुश्किल अब कितनी जटिल हो चुकी है।यह एक सख्त टिप्पणी होगी, लेकिन ऐसा लगता है कि सब कुछ जानते-बूझते हुए भी लोगों के बीच भगदड़ होने के हालात की अनदेखी की जाती है और इस तरह हादसा होने दिया जाता है! वरना क्या कारण है कि हर कुछ दिनों बाद किसी मंदिर और धार्मिक या फिर राजनीतिक जमावड़े के दौरान चारों तरफ पसरी अव्यवस्था और आयोजकों की घोर लापरवाही की वजह से लोगों के बीच भगदड़ मचती है और फिर उसमें नाहक ही लोगों की जान चली जाती है।गौरतलब है कि आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के कासीबुग्गा में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में शनिवार को भगदड़ मचने से कई लोगों की मौत हो गई और पच्चीस से ज्यादा लोग घायल हो गए।एकादशी के दिन की पूजा होने की वजह से श्रद्धालुओं की संख्या आम दिनों के मुकाबले काफी ज्यादा थी। पहली मंजिल पर स्थित मंदिर में जाने-आने का रास्ता एक ही है, जिस पर धक्का-मुक्की की वजह से पहले रेलिंग टूट गई, फिर भगदड़ मच गई। यानी एक तरह से हादसा होने के हालात पहले ही बन गए थे, मगर मंदिर प्रबंधकों और प्रशासन को उसे संभालने की जरूरत महसूस नहीं हुई।सवाल है कि इस हद तक लापरवाही बरतने वालों को इस हादसे के लिए कठघरे में खड़ा क्यों नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन अब यह भरोसा करना मुश्किल होता जा रहा है कि सरकारें किसी हादसे से सबक लेकर हर धार्मिक स्थल, राजनीतिक या अन्य किसी आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों का जमावड़ा होने की स्थिति में कुछ नियम-कायदों का पालन सुनिश्चित कराएगी।इसी वर्ष जनवरी में तिरुपति मंदिर में हुए हादसे के बाद आंध्र प्रदेश सरकार ने कुछ उपायों पर चर्चा की थीलेकिन वे कभी लागू नहीं हुए।

ईडी की जांच के मुताबिक, अनिल अंबानी समूह की कई कंपनियों– रिलायंस कम्युनिकेशंस (आर-कॉम), रिलायंस होम फाइनेंस, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चरर और रिलायंस पावर ने पिछले एक दशक में सरकारी और बैंकिंग संस्थानों से हज़ारों करोड़ रुपये जुटाए। कभी भारत की कॉर्पोरेट दुनिया में 'सफलता का प्रतीक' कहे जाने वाले अनिल अंबानी आज उस दौर में खड़े हैं जहाँ उनका नाम किसी बिज़नेस मॉडल से नहीं, बल्कि जांच एजेंसियों की रिपोर्ट से जुड़ा दिखाई देता है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से अनिल अंबानी की 7,500 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों की कुर्की की गयी है जिसमें मुंबई के पाली हिल स्थित उनका घर और रिलायंस समूह की कई प्रतिष्ठित परिसंपत्तियाँ शामिल हैं।

मैराथन मैन अनिल अंबानी कैसे कारोबारी दौड़ में पिछड़ कर कानूनी ट्रैक में फंस गये?

(नीरज कुमार दुबे)

यह सिर्फ एक कारोबारी पर कार्रवाई नहीं है बल्कि भारत की आर्थिक जवाबदेही की दिशा में एक निर्णायक संदेश है। देखा जाये तो यह मामला सिर्फ एक उद्योगपति के पतन की कहानी नहीं, बल्कि उस तंत्र की परीक्षा है जो यह दिखा रहा है कि धन और प्रभाव अब कानून से ऊपर नहीं हैं। ईडी की जांच के मुताबिक, अनिल अंबानी समूह की कई कंपनियों– रिलायंस कम्युनिकेशंस (आर-कॉम), रिलायंस होम फाइनेंस, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर और रिलायंस पावर ने पिछले एक दशक में सरकारी और बैंकिंग संस्थानों से हज़ारों करोड़ रुपये जुटाए। आरोप है कि इनमें से बड़ी रकम समूह की अन्य कंपनियों या संबद्ध इकाइयों में स्थानांतरित की गई और कुछ धनराशि विदेशों में फर्जी कंपनियों के ज़रिए भेजी गई। ईडी ने यह भी दावा किया है कि एक कंपनी से लिए गए ऋण का उपयोग दूसरी कंपनी के ऋण चुकाने या म्यूचुअल फंड में निवेश करने में किया गया, जो सीधे तौर पर ऋण की शर्तों का उल्लंघन था। यह तथाकथित एवरग्रीनिंग मॉडल, जहाँ पुराने ऋण को नए ऋण से ढका जाता है, भारत की कॉर्पोरेट गवर्नेंस की सबसे पुरानी बीमारी रही है। हम आपको याद दिला दें कि अनिल अंबानी का उदय भारतीय उदारीकरण के स्वर्णकाल का प्रतीक था। उनके

प्रोजेक्ट्स– टेलीकॉम से लेकर बिजली और इंफ्रास्ट्रक्चर तक, 90 के दशक की नई आर्थिक नीतियों के पोस्टर चाइल्ड थे। परंतु वही पूंजीवाद, जो प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने के लिए था, धीरे-धीरे कॉर्पोरेट कार्टेल में बदल गया। रिलायंस कम्युनिकेशंस की गिरावट से शुरू हुआ वित्तीय संकट अब कानूनी संकट में तब्दील हो चुका है। पहले यह मामला बाज़ार की असफलता कहा जाता था, अब इसे वित्तीय अनियमितता और मनी लॉन्ड्रिंग के रूप में देखा जा रहा है। जब किसी समय बैंकों ने 31,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि इस समूह को ऋण स्वरूप दी थी, तब किसी ने यह नहीं सोचा था कि 19,000 करोड़ रुपये से अधिक राशि एनपीए बन जाएगी और उसके बाद जांच एजेंसियों को धनशोधन का पैटर्न मिलेगा। देखा जाये तो ईडी की ताज़ा कार्रवाई को महज़ एक उद्योगपति के खिलाफ कानूनी कदम के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह भारत की आर्थिक पारदर्शिता के उस नए युग की घोषणा है जिसमें ब्रांड वैल्यू से ज़्यादा सत्यापन मूल्य मायने रखता है। हाल के वर्षों में, प्रवर्तन एजेंसियों पर राजनीतिक पक्षधरता के आरोप लगते रहे हैं। परंतु जब ईडी जैसे संस्थान एक ऐसे उद्योगपति पर कार्रवाई करते हैं, जो कभी भारत की कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा का चेहरा था, तो यह संकेत देता है कि आर्थिक अपराध की रेखा अब राजनीतिक समीकरणों से परे खींची जा रही है। अनिल अंबानी का मामला यह दिखाता है कि चाहे व्यक्ति कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, अगर उसने बैंकिंग व्यवस्था का दुरुपयोग किया, तो जवाबदेही तय होगी। देखा जाये तो यह कार्रवाई उस दौर में हुई है जब भारत की आर्थिक व्यवस्था में जनता का भरोसा दोतरफा दबाव में है। एक ओर कॉर्पोरेट घोटालों की गूंज, दूसरी ओर सरकारी एजेंसियों की विश्वसनीयता पर प्रश्न। ऐसे में जब ईडी सैंकड़ों पन्नों की जांच रिपोर्ट के आधार पर ठोस संपत्ति कुर्क करती है, तो यह केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं बल्कि जनता के विश्वास की पुनर्स्थापना है। हालांकि यह भी सच है कि कई मामलों में ईडी की जांच वर्षों तक अदालतों में उलझ जाती है और ठोस दंडात्मक परिणाम सामने नहीं आते। इसलिए यह आवश्यक है कि यह प्रक्रिया पारदर्शी, तेज़ और न्यायोचित रहे क्योंकि यदि न्याय देर से मिलेगा, तो संदेश खो जाएगा। अनिल अंबानी केस से निकले व्यापक सबक को देखें तो भारत के निजी क्षेत्र में ऋण प्राप्ति की प्रक्रिया और उससे जुड़ी जवाबदेही पर यह मामला बड़ा सवाल उठाता है। बैंकिंग सेक्टर में केवल क्रेडिट स्कोर नहीं, बल्कि कंट्रोल स्कोर की भी निगरानी आवश्यक है, यानी, पैसा कहाँ और कैसे जा रहा है, इसका ट्रैक पारदर्शी होना चाहिए। देखा जाये तो लंबे समय तक भारत में उद्योग और सत्ता के रिश्ते इतने गहरे रहे कि जवाबदेही धुंधली पड़ गई है। हालांकि यह मामला यह संदेश देता है कि सत्ता से समीपता अब सुरक्षा कवच नहीं है। देखा जाये तो अनिल अंबानी की कहानी एक व्यक्ति की असफलता भर नहीं है, बल्कि उस प्रणाली का आईना है जिसने दशकों तक कर्ज के सहारे साम्राज्य खड़ा करने की अनुमति दी। अब जब वही व्यवस्था कठोर जांच के घेरे में है, तो यह न केवल एक उद्योगपति का पतन है, बल्कि पूरे कॉर्पोरेट संस्कृति के आत्ममंथन का क्षण भी है। यह कार्रवाई आने वाले समय के लिए संकेत देती है कि भारत का आर्थिक नियमन अब कर्ज वितरण की जगह कर्ज अनुशासन पर आधारित होगा। और जो भी व्यक्ति या संस्था सार्वजनिक धन का दुरुपयोग करेगी, वह कानून की पकड़ से नहीं बच पाएगी, भले ही उसका नाम अंबानी ही क्यों न हो। बहरहाल, कभी मैराथन मैन कहे जाने वाले अनिल अंबानी, जो 40 की उम्र के बाद अपने अनुशासन और फिटनेस से प्रेरणा का प्रतीक बने थे, आज आर्थिक और कानूनी लड़ाई की दौड़ में पिछड़ते नज़र आ रहे हैं। वह केवल कारोबारी जगत की शख्सियत नहीं थे, बल्कि सत्ता के गलियारों में भी उनका प्रभाव माना जाता था। यह समय हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र में शक्ति का स्थायित्व सत्ता से नहीं, बल्कि सत्य और पारदर्शिता से आता है। दौड़ चाहे फिटनेस की हो या वित्त की, अगर नियम टूटते हैं, तो मंज़िल तक पहुँचने वाला भी रास्ता खो देता है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बिहार विधानसभा इतिहास के लोकनिष्ठ 'राजपुरुष' राजा बहादुर कामाख्या नारायण सिंह

(प्रणय विक्रम सिंह)

बिहार का सियासी तापमान आसमान छू रहा है। भय, भूख और भ्रष्टाचार का पर्याय रहे राजनीतिक दल भी इस समय लोकतंत्र की पाठशाला बने हुए हैं। जाति और जुमलों की जुगलबंदी के जाल में जकड़ा बिहार का 'लोकतंत्र' आज बड़ी शिद्दत के साथ अपने उस पुरोधा का स्मरण कर रहा है, जिन्होंने अपने जीवन में यह सिद्ध किया कि लोकतंत्र, लोकसेवा से ही दीर्घजीवी होता है। जी हां, हम बात कर रहे हैं रामगढ़ (झारखंड) के राजा बहादुर कामाख्या नारायण सिंह की। वे बिहार विधानसभा के इतिहास में ऐसे 'राजपुरुष' थे जिन्होंने राजतंत्र की रीति को जनतंत्र की नीति में ढाला और लोकमंगल को अपने जीवन का लोकमंत्र बनाया। प्रचंड कांग्रेसी लहर में भी रामगढ़ के इस लोकनिष्ठ राजा ने जनविश्वास का स्वराज कायम रखा था। स्वतंत्र भारत के प्रथम बिहार विधान सभा चुनाव (1952) में छोटानागपुर क्षेत्र की चार सीटों से उन्होंने एक साथ विजय प्राप्त की थी। यह कोई महत्वाकांक्षा नहीं, बल्कि जनाधार की परख थी। जनता ने अपना विश्वास उन्हें सौंपा वे बगोदर, पेटरवार, गोमिया और बड़कागांव सीटों से विजयी हुए थे। उन्होंने केवल शासन नहीं किया, जनमन जीता। 1952, 1957, 1962 और 1967 के चुनावों में लगातार जीतकर उन्होंने यह दिखाया कि सत्ता बदल सकती है, पर स्नेह की सत्ता अमर रहती है। 'राइट टू रिकॉल' = जनमत का ज्योतिर्वाक्य राजा बहादुर ने 1946 में सक्रिय राजनीति का आरंभ किया और 1951 में, प्रथम आम चुनाव से पहले, हजारीबाग की एक विराट सभा में अपनी छोटानागपुर- संताल परगना पार्टी की नीतियां घोषित कीं। वह सभा भारतीय लोकतंत्र की दिशा बदलने वाली थी। उन्होंने कहा कि सरकार गरीबों पर करों का बोझ बढ़ा रही है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। यदि सरकार को धन चाहिए, तो उसे हम जैसे लोगों से भारी कर लेना चाहिए। और फिर जनता से कहा कि हम जनता को वह अधिकार देना चाहते हैं, जिसके बल पर वे अपने विधायकों की सदस्यता समाप्त कर सकें। यही वह क्षण था जब भारत में पहली बार 'राइट टू रिकॉल' का विचार रखा गया। राजा बहादुर ने लोकतंत्र की आत्मा में उत्तरदायित्व का बीज बोया। यह वह समय था जब लोकतंत्र बाल्यावस्था में था, और उन्होंने राइट टू रिकॉल का प्रस्ताव रखकर जनता को शासन का सह-शिल्पी बना दिया। उनका यह दृष्टिकोण बताता है कि वे राजनेता नहीं, राजऋषि थे। जो सत्ता नहीं, सजगता के संस्कार बोना चाहते थे। भारत जब स्वतंत्रता की दहलीज पर था, तब रामगढ़ का यह राज दरबार प्रजा जागरण का केंद्र था। देश को स्वाधीनता 1947 में मिली, पर रामगढ़ के राजा ने 1944 में ही किसानों का लगान माफ कर दिया। यह घटना केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक मुक्ति का शंखनाद थी। उनके भीतर राजसी अहंकार नहीं, प्रजा पालक संवेदना थी। सन 1940 में जब डॉ. राजेन्द्र प्रसाद और बाबू राम नारायण सिंह की प्रेरणा से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का ऐतिहासिक अधिवेशन रामगढ़ में हुआ, तब राजा कामाख्या नारायण सिंह ने तन-मन-धन से उस आयोजन को अपने कर-कमलों से सिंचित किया। दामोदर के तट पर सजे उस अधिवेशन में महात्मा गांधी, नेहरू, पटेल, राजेन्द्र प्रसाद जैसे नेता उपस्थित थे। और वहीं राजा बहादुर ने गांधीजी के समक्ष राज-संपत्ति समर्पण की घोषणा कर दी। ये वह क्षण था जब राजसी स्वामित्व, लोक-संगठन में विलीन हुआ। इसी अधिवेशन ने 'भारत छोड़ो आंदोलन' की आधारभूमि रखी, और रामगढ़ जनजागरण की ध्वजा बना। स्वतंत्रता के बाद भी उनका तेज और त्याग कम नहीं हुआ। जब पंडित नेहरू की कांग्रेस लहर हर ओर फैली हुई थी, तब इस राजकुमार ने छोटानागपुर-संताल परगना जनता पार्टी बनाई। यह केवल राजनीतिक संगठन नहीं, जनसत्ता की जागृति थी। 1952, 1957, 1962 और 1967 के विधानसभा चुनावों में राजा कामाख्या नारायण सिंह निरंतर विजयी रहे क्योंकि वे जनसेवा को राजनीति की रीढ़ मानते थे। 1962 में उनकी पार्टी ने 50 सीटें जीतीं और वे मुख्य विपक्ष बने और बिहार विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में लोकतंत्र का नया अध्याय लिखा। उनके भाई कुंवर बसंत नारायण सिंह, पत्नी ललिता राजलक्ष्मी देवी और पुत्र टिकैत इंद्र जितेंद्र नारायण सिंह ने भी जनसेवा की परंपरा को आगे बढ़ाया। सिद्धांतों के संन्यासी = सत्ता से बड़ा स्वाभिमान जब नेहरू ने उन्हें 'जमींदारों की पार्टी' कहकर आलोचना की, तो उन्होंने प्रत्युत्तर नहीं दिया। जनता से संवाद किया। 1966 में उन्होंने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर एकता का परिचय दिया, पर जब मुख्यमंत्री कृष्ण बल्लभ सहाय ने वचन भंग किया, तो उन्होंने मंत्रिपद त्यागकर मर्यादा का मस्तक ऊंचा रखा। 25 जून 1968 को उन्होंने शास्त्री सरकार से समर्थन वापस लेकर बिहार में पहली बार राष्ट्रपति शासन लागू कराया। यह विरोध नहीं, विवेक का व्रत था।उनकी राजनीति में स्वार्थ का अंधकार नहीं, सिद्धांतों का सूर्य था। भूदान का महाभिषेक - भूमि से लोकधर्म तक विनोबा भावे के आह्वान पर उन्होंने ढाई लाख एकड़ भूमि भूदान में दे दी। यह केवल भूमि का दान नहीं था, यह भारतभूमि के प्राणों में परमार्थ का प्रवाह था। जब कोई राजसी पुरुष भूमिहीनों के लिए अपनी धरती तक दे दे तो वह राजा नहीं, राष्ट्रात्मा बन जाता है। जहां अन्य राजा भूमि बांटते थे, वहां रामगढ़ के राजा ने भूमि को मुक्त कर दिया। यह वो क्षण था जब राजनीति ने परोपकार का स्पर्श पाया और धरती ने दान में धर्म का अर्थ समझा। यह वो घड़ी थी जब राज्य ने समाज को प्रणाम किया और 'राज' ने 'लोक' के चरण धोए। उनका यह कार्य उन्हें इतिहास में नहीं अमरात्माओं की परंपरा में स्थापित करता है। आज जब राजनीति के गलियारों में स्वार्थ की सर्द हवा और संवेदनहीनता की छाया फैली है, तब राजा बहादुर कामाख्या नारायण सिंह का जीवन दीप-स्तंभ बनकर खड़ा है यह याद दिलाते हुए कि सत्ता का स्थायित्व पद में नहीं, सेवा में है। उन्होंने दिखाया कि लोकतंत्र केवल वोटों से नहीं, व्रतों से जीवित रहता है और शासन की शक्ति शोर में नहीं, श्रद्धा में बसती है। राजा बहादुर का जीवन हमें यह सिखाता है कि जो नेता गद्दी पर बैठकर भी जनमानस में उतरता है, वही इतिहास में अमर होता है। आज का बिहार यदि सचमुच आत्ममंथन करना चाहता है, तो उसे उस राजपुरुष की ओर देखना चाहिए जिसने राजमुकुट को नहीं, जनविश्वास को अपना ताज बनाया था। क्योंकि अंततः वही शासक अमर होता है, जो यह जानता है कि राजधर्म की जड़ सत्ता में नहीं, सेवा में है और जनसेवा ही जनमानस का स्थायी शासन है। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

वर्ग पहेली 5904

संकेतः बाएं से दाएं

1. आज के दिन इस मशहूर तबला वादक का जन्म हुआ (3)
6. फूलों से गुंथा हुआ हार, श्रेणी (4)
7. अत्यंत, पुट मात्र (3)
10. कब लौ, लगि (4)
12. विप्लव कुमार देव ने इस भारतीय राज्य के दवसें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ नल ली (3)
14. भारतवर्ष, हिंदुस्तान (2)
15. चोरी, चुंदी, पंखों का ऊपरी हिस्सा (2)
16. जम्मू-कशमीर का श्रीनगर शहर इस नदी के किनारे बसा है (3)
18. फैलाने का भाव (3)
20. वह पक्षी केवल इड्डियां खाता है (2)
22. विवाह होने के पूर्व कुमारी अवस्था में उत्पन्न पुत्र (3)
23. चारों तरफ, अगल-बगल (4)

ऊपर से नीचे

1. एक प्रकार का परिधान, वस्त्र, अंगरखा (4)
2. दुर्ग, गढ़, फोर्ट (2)
3. आहुति के रूप में दिया हुआ (2)
4. फौजी, पहरेदार, संतरी, सेना का (3)
5. चोरी करने के लिए दीवार मे बनया गया छेद (3)
8. यह अमिताभ अभिनीत पहल फिल्म थी, निर्देशक थे के.ए.अब्बास (6)
9. शत्रु, दुश्मन (2)
11. ऊंचाई (सिर्फ प्राणियों के लिए) (2)
12. कल, आज और कल, सर्वकाल (3)
13. निश्चित संख्या, समूह, गूहदशा (2)
16. सहना, बर्दाश्त करना, किसी फेंकी हुई वस्तु को लपकना (3)
17. इस वृक्ष के छोटे-छोटे फलों से मदिरा निर्माण होता है (3)
18. क्रमश (3)
19. धावन पथ, दौडपथ (3)
21. माह, महीना, तीस दिनों का समय (2)

वर्ग पहेली 5903 का हल

रू	स		स	मी	र		घा
ब	ग	ल	गी	र		ना	टा
ल	र	ज	ना		आ	गा	
		वा		वा		लैं	ड
ब	सा	ना		म		ड	ल
	हि		प	ह	ल		ना
स	र	प	र	स्त		फा	
ख्त		रा	ख		आ	ग	रा

अपराधों की इस प्रकृति को गंभीरता से लेना होगा

(आर के राघवन)

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) ने हाल ही में अपनी 'क्राइम इन इंडिया 2023' रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में देश में अपराध की स्थिति का पूरा विश्लेषण है। सरकार के अंदर और बाहर इसकी स्वीकृति है। मगर इन आंकड़ों का इस्तेमाल करने वाले कई लोग रिपोर्ट में दिए आंकड़ों को शक की निगाह से देखते हैं। उनमें से एक छोटे समूह का तो यहां तक मानना है कि छवि चमकाने के लिए रिपोर्ट में हेर-फेर किया गया है। समस्या यह है कि अगर आप एनसीआरबी रिपोर्ट को खारिज करते हैं, तो सार्वजनिक तौर पर ऐसा कुछ और नहीं है, जिससे आपको अपराध की घटनाओं, उनकी प्रकृति और प्रवृत्ति आदि की तस्वीर का पता चल सके। इसकी यह आलोचना सही है कि अपराध के आंकड़े एक साल से ज्यादा पुराने होते हैं। मगर यह देरी इसलिए होती है, क्योंकि एनसीआरबी राज्य पुलिस बलों से आंकड़े इकट्ठा करती है। कई राज्य आंकड़ा देने में देरी करते हैं, तो कुछ राज्य सारे आंकड़े एक साथ नहीं देते। फिर भी एनसीआरबी का विश्लेषण बहुत कुछ बता जाता है। हालिया रिपोर्ट के अनुसार, साल 2023 में आईपीसी के तहत संज्ञेय अपराधों में 5.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिनमें विशेष और स्थानीय कानूनों के तहत सूचीबद्ध अपराधों में 9.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। अपराध-दर की बात करें, तो प्रति 1,00,000 आबादी पर अपराध की घटनाएं 2022 में 422 थीं, जो 2023 में बढ़कर 440 हो गईं। हालांकि, यह संख्या हमारे जैसे बड़ी आबादी और गंभीर बेरोजगारी की समस्या वाले देश में बहुत महत्वपूर्ण नहीं मानी जाती है। वैसे तो, कोई भी अपराध चिंता का विषय है, पर हत्या व महिलाओं-बुजुर्गों के खिलाफ हिंसा सबसे ज्यादा परेशान करने वाली बात है। साल 2023 में 29,000 से ज्यादा बलात्कार के मामले सामने आए, जो 2022 की तुलना में मामूली कम हैं। 2023 में अकेले दिल्ली में बलात्कार के 1,088 मामले दर्ज किए गए। यह 2012 के निर्भया गैंगरेप-हत्या मामले को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर हुई प्रतिक्रिया की याद दिलाता है, जिसने पुलिस-व्यवस्था पर बुरा असर डाला था। इन संज्ञेय अपराधों की रोकथाम की बात करें, तो पुलिस की, विशेषकर अपराध वाली जगहों पर ज्यादा तैनाती महिलाओं के खिलाफ हिंसा को कम कर सकती है। नागरिकों को भी ऐसे अपराध रोकने में योगदान देना होगा। हमें याद रखना चाहिए कि बलात्कार दुनिया भर में सबसे कम रिपोर्ट किए जाने वाले अपराधों में से एक है। ग्रामीण भारत में तो यह एक आम सच्चाई है। सामाजिक बदनामी, प्रभावशाली व्यक्ति द्वारा डराने-धमकाने के कारण अक्सर ऐसे मामले पुलिस-कोर्ट के समक्ष आते ही नहीं हैं। इन सब कारणों से, यौन अपराधियों को सजा मिलने की दर बहुत कम रहती है। साल 2022 के मुकाबले 2023 में साइबर-क्राइम के मामले दोगुने हुए। हमारी जिंदगी में डिजिटल टेक्नोलॉजी की बढ़ी दखल साफ तौर पर बड़ी कीमत वसूल रही है। साइबर-क्राइम की जटिलता और विस्तार को लेकर समाज में जागरूकता आ रही है, लेकिन इसे पूरी तरह से रोकने के लिए और प्रयास होने चाहिए। इस काम में सरकार और सिविल सोसाइटी, दोनों से प्रयास की अपेक्षा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे सबसे कमजोर नागरिक, चाहे वे बुजुर्ग हों या महिलाएं या बच्चे, धोखाधड़ी, जबरन वसूली का शिकार न बन जाएं और अपराधियों के जाल में न फंसें। (लेखक पूर्व निदेशक, सीबीआई-(ये लेखक के अपने विचार हैं)

आज का राशिफल

मेष
आज आमदनी एवं लक्ष्मी भाव में चंद्रमा का प्रबल योग बन रहा है। इस दौरान रात तक कोई खास डील के फाइनल होने के आसार बन रहे हैं। ऐसे में आपको राज्य से विशेष सम्मान प्राप्त हो सकता है। भौतिक विकास का योग अच्छा है। रात 09 बजकर 30 मिनट पर चंद्रमा मेष राशि में प्रवेश कर रहे हैं।

वृष
आज ध्यान नई योजनाओं में लगेगा। किसी देवस्थान की यात्रा से मन को सुकून मिलेगा। किसी कानूनी विवाद में सफलता मिलने की प्रबल संभावना दिख रही है। आज के दिन स्थान परिवर्तन की योजना भी सफल हो सकती है।

तुला
आज का दिन लाभकारक रहने वाला है। कार्य–व्यवहार से जुड़े सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं। नए प्रोजेक्ट पर भी कुछ काम शुरू हो सकता है। ज़मीन जायदाद के मामले में पारिवारिक और आस–पास के लोग कुछ परेशानी पैदा करने की कोशिश करेंगे।

वृश्चिक
आज का दिन शुभ रहने वाला है। माली हालात को लें तो आज का दिन काफी मजबूत रहेगा। दिनभर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। ऐसे में अपने कार्यों को मन लगाकर करें। परिवार में सुख शांति और स्थिरता का आनन्द प्राप्त होगा।

मिथुन
आज का दिन काफी रचनात्मक रहने वाला है। किसी क्रिएटिव और कलात्मक काम को पूरा करने में आप समय बिता सकते हैं। जो काम आपको सबसे ज्यादा प्रिय है आज वही करने का मौका मिलेगा। अपना पसंदीदा काम करने से आज आपको रिलैक्स करने में मदद मिलेगी।

कर्क
आज का दिन काफी सृजनात्मक रहने वाला है। जो भी काम लगन के साथ करेंगे आज उसका फल उसी समय मिल सकता है। कुछ महत्वपूर्ण चर्चाएं होंगी। ऑफिस में अपने विचारों के मुताबिक माहौल बन जाएगा और आपके साथी भी आपका सहयोग करेंगे।

धनु
आज के दिन सावधानी और सतर्कता बरतने की जरूरत है। बिजनेस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाने से बड़ा लाभ हो सकता है। रोजमर्रा के कामों से परे कुछ नए कामों में हाथ आजमाने से सफलता प्राप्त हो सकती है। किसी अपने के लिए कुछ पैसों का इंतजाम करना पड़ सकता है।

मकर
आज का दिन सामान्य रहने वाला है। भागीदारी में किया गया व्यापार आपको काफी फायदा पहुंचाएगा। रोजमर्रा के घरेलू कामों को निपटाने का आज सुनहरा मौका है। आज के दिन आपको पुत्र–पुत्री के संबंधित कोई बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है।

सिंह
आज का दिन काफी व्यस्त रहने वाला है। धर्म–अध्यात्म के मामलों से आपकी रुचि दिखाई दे रही है। हालांकि इस दौरान आपको पढ़ाई लिखाई के लिए थोड़ा समय निकाल लेना चाहिए। कार्यक्षेत्र पर आज के दिन आपको थोड़ा अधिक सतर्क रहना होगा।

कन्या
आज बातचीत के दौरान संयम और सावधानी बरतनी होगी। आस–पास के लोगों से टकराव की नौबत न आए इस बात का ध्यान रखें। घर– परिवार में किसी शुभ मंगल कार्य की चर्चा हो सकती है। भाग्य पर भरोसा रखें और आत्म विश्वास के साथ कार्य करें।

कुंभ
आज का दिन अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतने का है। मौसम परिवर्तन से आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में अपने खान–पान में लापरवाही बिल्कुल न बरतें। व्यापार के मामले में दिन सुखद व्यतीत होगा। जल्दबाजी में कोई भूल हो सकती है, इसलिए हर काम सोच समझ कर करें।

मीन
आज का दिन लाभकारी रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज हितकर रहेगा। परेशानियों को धैर्य और अपने मृदु व्यवहार से सुधार कर ठीक किया जा सकता है। अपनी बुद्धि का प्रयोग करके आप वह सब कुछ पा सकते हैं, जिसकी आपको अभी तक कमी रही है।

एफएआई बोर्ड ने कोरोमंडल इंटरनेशनल के एस. शंकरसुब्रमण्यन को अध्यक्ष चुना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय उर्वरक संघ (एफएआई) के निदेशक मंडल ने 31 अक्टूबर, 2025 को हुई बैठक में कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ श्री एस. शंकरसुब्रमण्यन को एफएआई का अध्यक्ष चुना। हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. सिबा प्रसाद मोहंती, जो पहले दो सह-अध्यक्षों में से एक थे, अब एफएआई के एकमात्र सह-अध्यक्ष होंगे। श्री शंकरसुब्रमण्यन, जो वर्तमान में एफएआई बोर्ड के सह-अध्यक्ष और एफएआई के दक्षिणी क्षेत्र के अध्यक्ष हैं, उर्वरक उद्योग, विशेष रूप से फॉस्फेटिक और

पोटाशिक (पीएंडके) क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का विविध अनुभव रखते हैं। श्री शंकरसुब्रमण्यन ने कहा, एफएआई संसाधन दक्षता और संतुलित पोषण के माध्यम से नवाचार और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, साथ ही उर्वरक क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए नीति निर्माताओं के साथ मिलकर काम कर रहा है। हम विकास, लचीलापन और दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए उद्योग के लक्ष्यों को राष्ट्रीय कृषि प्राथमिकताओं के साथ संरेखित करना जारी रखेंगे।

भारतीय उर्वरक संघ ने एफएआई के पूर्व अध्यक्ष श्री शैलेश सी. मेहता को उनके नेतृत्व के लिए हार्दिक धन्यवाद और प्रशंसा व्यक्त की है और इस क्षेत्र के लिए उनके मार्गदर्शन और समर्थन की आशा करता है।

1955 में स्थापित, एफएआई एक गैर-लाभकारी शीर्ष उद्योग निकाय है जो उर्वरक निर्माताओं, वितरकों, आयातकों, उपकरण निर्माताओं, अनुसंधान संस्थानों और इनपुट आपूर्तिकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करता है।

एनपीसीआई ने 'डिजिटल अरेस्ट' धोखाधड़ी के खिलाफ जागरूकता बढ़ाकर नागरिकों को सशक्त बनाया

मुंबई , एजेंसी। डिजिटल भुगतान अब पूरे देश में सुलभ हैं, जो भारत को डिजिटल-फर्स्ट अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं। ये न केवल सुरक्षित हैं बल्कि सुविधाजनक भी हैं। हालांकि, डिजिटल भुगतान का उपयोग सुरक्षित तरीके से करना और ऑनलाइन ठगी के बारे में जागरूक रहना अत्यंत आवश्यक है। संभावित धोखाधड़ियों की समय पर पहचान करने से उपयोगकर्ताओं और उनके परिवारों को सुरक्षा मिलती है, जिससे सभी के लिए एक सुरक्षित और कम नकदी वाली अर्थव्यवस्था का निर्माण होता है।

क्या है 'डिजिटल अरेस्ट'?

ऑनलाइन ठगी के तरीके अब और अधिक चालाक होते जा रहे हैं, जिनमें से 'डिजिटल अरेस्ट' एक प्रमुख उदाहरण है। इस प्रकार की ठगी में, अपराधी खुद को कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारी बताकर लोगों को डराकर पैसे भेजने या अपनी निजी जानकारी साझा करने के लिए मजबूर करते हैं। वे पीड़ितों से पहले फोन कॉल के जरिए संपर्क करते हैं और फिर वीडियो कॉल पर स्विच करते हैं। इस दौरान वे पीड़ितों को किसी नकली कानूनी मामले या गिरफ्तारी वारंट की धमकी देते हैं।

बीमा दबे पांव महंगा हो गया

जीएसटी शून्य होने पर भी देना पड़ रहा ज्यादा प्रीमियम

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी काउंसिल ने सितंबर में स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत के जीएसटी को शून्य कर दिया था, लेकिन ग्राहकों को उसका कोई लाभ नहीं मिल रहा। अधिकांश बीमा कंपनियों ने कुल प्रीमियम बीते वर्ष के मुकाबले बढ़ा दिया। यह बढ़ोतरी 10 से लेकर करीब 37 प्रतिशत तक है।

वाहन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी की गई है। टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में बीते वर्ष के मुकाबले करीब 37 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है।

स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में की गई बढ़ोतरी को लेकर एक बीमा पॉलिसी के पूरे ब्यौरे के साथ टाटा एआईजी को ई-

मेल किया, जिसमें कंपनी से पूछा गया कि बीते वर्ष एक स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी का प्रीमियम 30,107 रुपये था, जिसमें 18 प्रतिशत जीएसटी यानी 4592 रुपये शामिल था। बीते 22 सितंबर से सरकार ने जीएसटी को हटा दिया है तो अब प्रीमियम 25,515 रुपये होना चाहिए, लेकिन कंपनी 34,899 रुपये मांग रही है। यह बढ़ोतरी 36.78 प्रतिशत है। टाटा ही नहीं, दूसरी कंपनियों ने भी प्रीमियम में भारी बढ़ोतरी की है। बढ़ोतरी के पीछे कंपनी ने चिकित्सा महंगाई, बाजार की प्रवृत्तियां, दावों और सेवाओं की लागत में वृद्धि को कारण बताया।

- **पॉलिसी धारकों पर इस तरह बोझ बढ़ रहा-** अधिकांश कंपनियां पॉलिसी में नए राइडर (सुविधाएं एवं कवरेज) जोड़कर प्रीमियम बढ़ा रही हैं। राइडर जोड़ने से पहले पॉलिसीधारक से कोई स्वीकृति नहीं ली जा रही है। कई कंपनियों द्वारा पॉलिसी में पहले से शामिल कवरेज को नया बताकर उसका प्रीमियम भी जोड़ा जा रहा है। निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी ने बीते वर्ष एक पॉलिसी साढ़े सात लाख रुपये के बीमा कवरेज के साथ 16,731 रुपये में बेची थी, जिसमें 2552.22 रुपये का जीएसटी था। इस बार जीएसटी हटने के बाद कुल प्रीमियम 14,178.78 रुपये का होना चाहिए था, लेकिन कंपनी ने 14 नवंबर को रिन्युअल होने वाली पॉलिसी का प्रीमियम 17,155 रुपये बताया है।

सेबी बदलेगा 30 साल पुराने ब्रोकर नियम, एमसीएक्स में गड़बड़ी की जांच शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड जल्द ही स्टॉक ब्रोकर्स से जुड़े नियमों में बदलाव करने की योजना बना रहा है। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय के अनुसार, इन नियमों को अपडेट करने का मुख्य उद्देश्य जोखिम प्रबंधन और डेटा सुरक्षा को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव दिसंबर 2025 तक लागू किया जा सकता है। गौरतलब है कि स्टॉक ब्रोकर्स के मौजूदा नियम लगभग 30 साल पुराने हैं।

पुराने भौतिक शेयर रखने वालों को राहत- सेबी लंबे समय से निवेश करने वालों की परेशानियों को ध्यान में रखते हुए एक अहम राहत देने जा रहा है। अब जिन निवेशकों के पास वित्त वर्ष 2020 से पहले के भौतिक शेयर हैं, लेकिन वे उन्हें अपने नाम ट्रांसफर नहीं करवा पाए थे, उन्हें अब ऐसा करने की अनुमति दी जाएगी। इससे उन शेयरधारकों को काफी सहूलियत मिलेगी।

एंजल वन का मामला- स्टॉक ब्रोकरेज फर्म एंजल वन ने सेबी के खुलासा नियमों का उल्लंघन करने के एक मामले में 34 लाख का भुगतान करके समझौता कर लिया है।

फिशर मेडिकल की सहायक कंपनी, टाइम मेडिकल इंडिया ने डॉ. चेरीयन के साथ मिलकर अगले-जीन एआई-सक्षम एमआरआई सिस्टम का विकास शुरू किया

मुंबई, एजेंसी। फिशर मेडिकल वेंचर्स लिमिटेड , टाइम मेडिकल इंटरनेशनल वेंचर्स प्रा. लि., जो फिशर मेडिकल वेंचर्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, ने आज विश्वप्रसिद्ध न्यूरोसर्जन, शिक्षक और नवप्रवर्तक डॉ. आयप चेरीयन के साथ एक रणनीतिक सहयोग की घोषणा की। इस सहयोग का एकमात्र उद्देश्य डीआरआईएस-आईएमआरआई मेधारन्या का विकास करना है, जो उन्नत एमआरआई तकनीक का एक क्रांतिकारी नया संस्करण है। टाइम मेडिकल इंटरनेशनल वेंचर्स प्रा. लि., जो उन्नत चिकित्सा इमेजिंग समाधानों में एक वैश्विक नेता और फिशर मेडिकल वेंचर्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, ने प्रसिद्ध चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. चेरीयन के साथ एक महत्वपूर्ण सहयोग की घोषणा की है। चेन्नई में मुख्यालय वाले टाइम मेडिकल इंडिया, जो लागत-कुशल और उच्च प्रदर्शन वाले एमआरआई सिस्टम के डिज़ाइन और निर्माण में विशेषज्ञ है, का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर उन्नत डायग्नोस्टिक इमेजिंग तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाना है। इस साझेदारी के माध्यम से, वे मिलकर डीआरआईएस-आईएमआरआई मेधारन्या का विकास करेंगे, जो एक क्रांतिकारी, अगली पीढ़ी का, एआई-सक्षम, पोर्टेबल और विशेष एमआरआई सिस्टम है।

हमें भी राहत चाहिए... वोडाफोन-आइडिया के फैसले के बाद अब एयरटेल ने लिया फैसला, सरकार के पास जाएगी कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। वोडाफोन-आइडिया को एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू मामले में सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। अब भारती एयरटेल भी एजीआर मामले में राहत के लिए फिर से सरकार से संपर्क करेगी। भारती एयरटेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कंपनी सरकार से एजीआर बकाए का फिर से आकलन और मिलान करने का अनुरोध करेगी। सरकार के मुताबिक, देश की दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल पर 31 मार्च तक 48,103 करोड़ रुपये का एजीआर बकाया था। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद यह रकम ब्याज जुड़ने से और बढ़ गई है। जब सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला सुनाया था, तब दूरसंचार विभाग के अनुसार एयरटेल पर 44,000 करोड़ रुपये का बकाया था, जबकि कंपनी का अपना आकलन 13,000 करोड़ रुपये था। एयरटेल अब तक 18,000 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुकी है,

- **क्या कहा कंपनी ने-** भारती एयरटेल के वाइस चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर गोपाल विट्ठल ने कहा, हमने हमेशा कहा है कि साल 2019 का एजीआर फैसला इंडस्ट्री के लिए एक बड़ा झटका था। यह और भी निराशाजनक था कि गणना की गलतियों को भी स्वीकार नहीं किया गया। उन्होंने कहा, हमें खुशी है कि कोर्ट ने एजीआर देनदारियों के मिलान की अनुमति दी है। अब हम इसे एक-एक करके आगे बढ़ाएंगे। सबसे पहले, हम सरकार से संपर्क करेंगे और यह काम कंपनी आने वाले दिनों में करेगी। उसके बाद हम आगे की रणनीति तय करेंगे। साल 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के पक्ष में फैसला सुनाया था। कोर्ट ने एजीआर की व्यापक परिभाषा को बरकरार रखा था, जिसमें टेलीकॉम कंपनियों द्वारा अर्जित सभी तरह की आय शामिल थी, न कि केवल टेलीकॉम से होने वाली आय। इस फैसले के कारण टेलीकॉम कंपनियों पर भारी भरकम बकाया हो गया था।

गौतम सोलर ने आरइआई 2025 में एचईपीएल रिन्यूएबल एनर्जी के साथ 100 मेगावाट का समझौता किया

भोपाल। भारत के सौर ऊर्जा परिदृश्य में एक नया अध्याय जुड़ गया है। गौतम सोलर प्राइवेट लिमिटेड और एचईपीएल रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड ने आरइआई 2025 'एक्सपो' के दौरान 150 करोड़ मूल्य का 100 मेगावाट सौर मॉड्यूल आपूर्ति समझौता किया, जो अब तक का सबसे बड़ा एकल-खरीदकर्ता करार माना जा रहा है। यह समझौता भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में न केवल व्यावसायिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक ठोस कदम भी है। यह साझेदारी प्रधानमंत्री कुसुम योजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों में सौर विद्युत संयंत्रों की स्थापना के लिए की गई है। समझौते पर गौतम सोलर के निदेशक श्री गौतम मोहनका और एचईपीएल रिन्यूएबल एनर्जी के निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री हर्षित श्रीवास्तव ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर आरइआई 2025 के मंच ने भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्रांति का गवाह बनकर एक ऐतिहासिक क्षण दर्ज किया। यह केवल एक व्यावसायिक साझेदारी नहीं, बल्कि भारत की ग्रामीण ऊर्जा कहानी का नया आरंभ है। एचईपीएल जैसी युवा और ऊर्जावान संस्था के साथ मिलकर हम सौर संयंत्र स्थापित करेंगे जो किसानों की आय, गाँव और राष्ट्र की आत्मनिर्भरता – तीनों को एक सूत्र में बाँधेंगे। – श्री गौतम मोहनका, निदेशक, गौतम सोलर आरइआई 2025 में गौतम सोलर के साथ यह समझौता हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है कि सौर ऊर्जा अब केवल शहरों तक सीमित नहीं रहेगी। यह गाँवों, खेतों और किसानों के जीवन में उजाला लेकर आएगी। यह करार एचईपीएल के लिए नहीं, बल्कि पूरे ग्रामीण भारत के लिए एक उपलब्धि है। – श्री हर्षित श्रीवास्तव, निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एचईपीएल रिन्यूएबल एनर्जी. इस करार के अंतर्गत गौतम सोलर अपने उच्च दक्षता वाले मेड इन इंडिया मॉड्यूल की आपूर्ति करेगा, जो तकनीकी रूप से सशक्त और टिकाऊ हैं। इन मॉड्यूल्स का उपयोग एचईपीएल द्वारा स्थापित किए जा रहे सौर संयंत्रों में किया जाएगा, जो किसानों को स्वच्छ ऊर्जा और अतिरिक्त आय-दोनों का स्रोत प्रदान करेंगे। गौतम सोलर और एचईपीएल रिन्यूएबल एनर्जी का यह गठबंधन भारत के सौर उद्योग में एक मजबूत उदाहरण प्रस्तुत करता है – कि जब दूर दृष्टि, तकनीक और प्रतिबद्धता एक साथ आते हैं, तो राष्ट्र की दिशा बदल जाती है।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की तरफ से वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे अंबाला छावनी द्वारा मण्डल के निम्नलिखित स्टेशनों पर ठेके आवंटित करने हेतु ई-नीलामी रेलवे वेब साइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से बोली आमंत्रित की जा रही है। आवंटित की जाने वाले ठेको का विवरण निम्नलिखित है।

क्र. सं.	नीलामी काटलोग सं.	कार्य का विवरण	नीलामी तिथि व समय
1	ATM-UMB-UMB-Gen-33-25-1	अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन पर एटीएम (साइट-1) की स्थापना हेतु 6′ x 6′ क्षेत्रफल के स्थान (बिना संरचना) के आवंटन के लिए निविदा आमंत्रण	17.11.2025 11:30:00 hrs.
2	ATM-UMB-UBC-Gen-36-25-1	अम्बाला शहर रेलवे स्टेशन पर एटीएम (साइट-2) की स्थापना हेतु सर्कुलेटिंग एरिया में स्थान (बिना संरचना) के आवंटन के लिए निविदा आमंत्रण	17.11.2025 11:30:00 hrs.
3	ATM-UMB-UBC-Gen-35-25-1	अम्बाला शहर रेलवे स्टेशन पर एटीएम (साइट-1) की स्थापना हेतु सर्कुलेटिंग एरिया में स्थान (बिना संरचना) के आवंटन के लिए निविदा आमंत्रण	17.11.2025 11:30:00 hrs.
4	ATM-UMB-MET-Gen-29-25-1	मलेरकोटला रेलवे स्टेशन पर एटीएम (साइट-1) की स्थापना हेतु स्थान (संरचना सहित) के आवंटन के लिए निविदा आमंत्रण	17.11.2025 11:30:00 hrs.
5	ATM-UMB-MET-Gen-30-25-1	मलेरकोटला रेलवे स्टेशन पर एटीएम (साइट-2) की स्थापना हेतु स्थान (संरचना सहित) के आवंटन के लिए निविदा आमंत्रण	17.11.2025 11:30:00 hrs.
6	ATM-UMB-PTA-Gen-28-25-1	पटियाला रेलवे स्टेशन पर एटीएम की स्थापना हेतु स्थान (संरचना सहित) के आवंटन के लिए निविदा आमंत्रण	17.11.2025 11:30:00 hrs.
7	ATM-UMB-SAG-Gen-37-25-1	संगरूर रेलवे स्टेशन पर एटीएम (साइट-2) की स्थापना हेतु 6′ x 6′ क्षेत्रफल के स्थान (संरचना सहित) के आवंटन के लिए निविदा आमंत्रण	17.11.2025 11:30:00 hrs.
8	ATM-UMB-SAG-Gen-26-25-1	संगरूर रेलवे स्टेशन पर एटीएम (साइट-1) की स्थापना हेतु 6′ x 6′ क्षेत्रफल के स्थान (बिना संरचना) के आवंटन के लिए निविदा आमंत्रण	17.11.2025 11:30:00 hrs.
9	ATM-UMB-YJUD-Gen-38-25-1	यमुनानगर जगाधरी रेलवे स्टेशन पर एटीएम की स्थापना हेतु इंक्वायरी के नजदीक 6′ x 6′ क्षेत्रफल के स्थान (संरचना सहित) के आवंटन के लिए निविदा आमंत्रण	17.11.2025 11:30:00 hrs.
10	ATM-UMB-AADR-Gen-25-25-1	अम्ब अंदौरा रेलवे स्टेशन पर एटीएम (साइट-2) की स्थापना हेतु 6′ x 6′ क्षेत्रफल के स्थान (बिना संरचना) के आवंटन के लिए निविदा आमंत्रण	17.11.2025 11:30:00 hrs.
11	ATM-UMB-NLDM-Gen-24-25-1	नंगल डेम रेलवे स्टेशन पर एटीएम (साइट-1) की स्थापना हेतु 6′ x 6′ क्षेत्रफल के स्थान (बिना संरचना) के आवंटन के लिए निविदा आमंत्रण	17.11.2025 11:30:00 hrs.
12	ATM-UMB-RPAR-Gen-23-25-1	रूप नगर रेलवे स्टेशन पर एटीएम (साइट-2) की स्थापना हेतु 6′ x 6′ क्षेत्रफल के स्थान (बिना संरचना) के आवंटन के लिए निविदा आमंत्रण	17.11.2025 11:30:00 hrs.
13	ATM-UMB-ANSB-Gen-21-25-1	आनंदपुर साहिब रेलवे स्टेशन पर एटीएम (साइट-1) की स्थापना हेतु 6′ x 6′ क्षेत्रफल के स्थान (बिना संरचना) के आवंटन के लिए निविदा आमंत्रण	17.11.2025 11:30:00 hrs.
14	ATM-UMB-ANSB-Gen-22-25-1	आनंदपुर साहिब रेलवे स्टेशन पर एटीएम (साइट-2) की स्थापना हेतु 6′ x 6′ क्षेत्रफल के स्थान (बिना संरचना) के आवंटन के लिए निविदा आमंत्रण	17.11.2025 11:30:00 hrs.
15	ATM-UMB-SIR-Gen-19-25-1	सरहिंद रेलवे स्टेशन पर एटीएम (साइट-1) की स्थापना हेतु 6′ x 6′ क्षेत्रफल के स्थान (बिना संरचना) के आवंटन के लिए निविदा आमंत्रण	17.11.2025 11:30:00 hrs.
16	ATM-UMB-SIR-Gen-20-25-1	सरहिंद रेलवे स्टेशन पर एटीएम (साइट-2) की स्थापना हेतु 6′ x 6′ क्षेत्रफल के स्थान (बिना संरचना) के आवंटन के लिए निविदा आमंत्रण	17.11.2025 11:30:00 hrs.
17	ATM-UMB-RPJ-Gen-41-25-1	स्थान – ए (साइट-2) पर राजपुरा रेलवे स्टेशन पर यूटीएस/पीआरएस हॉल के बाहर एटीएम की सुविधा के लिए स्थान का आवंटन (संरचना के बिना) (साइट प्लान के अनुसार)।	17.11.2025 11:30:00 hrs.
18	ATM-UMB-RPJ-Gen-40-25-1	स्थान – ए (साइट-1) पर राजपुरा रेलवे स्टेशन पर यूटीएस/पीआरएस हॉल के बाहर एटीएम की सुविधा के लिए स्थान का आवंटन (संरचना के बिना) (साइट प्लान के अनुसार)।	17.11.2025 11:30:00 hrs.
19	MSS-UMB-UMB-MedStn.-39-25-1	अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन पर 345 वर्ग फुट क्षेत्र में आपातकालीन चिकित्सा कक्ष (ईएमआर) की स्थापना, संचालन और रखरखाव।	17.11.2025 11:30:00 hrs.
20	MMS-HRC-202686-1-25-1	ट्रेन संख्या 12045/46 चंडीगढ़-नई दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस के सभी एक्जीक्यूटिव क्लास और चेयर कार क्लास कोचों के सभी सीटों पर हेडरेस्ट कवर के प्रावधान के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन अधिकार (संबद्ध कोच संरचना के अनुसार)।	17.11.2025 11:30:00 hrs.
21	MSS-UMB-PTA-MaChr- 34-25-1	रेलवे स्टेशन पटियाला पर भुगतान के आधार पर 10′x 12′ के कुल क्षेत्रफल के लिए इलेक्ट्रॉनिक रिलैक्सेशन चेयर्स का प्रावधान और संचालन (साइट प्लान के अनुसार)।	17.11.2025 11:30:00 hrs.
22	MSS-UMB-PTA-Hlthk-33-25-2	पटियाला रेलवे स्टेशन पर 12′x12′ के कुल क्षेत्रफल का स्वास्थ्य एटीएम कियोस्क स्थापित करना।	17.11.2025 11:30:00 hrs.
23	ADVT-Int-240044-1-25-1 (Advertising-Train Interior)	ट्रेन संख्या 52457/58 में वाणिज्यिक विज्ञापन स्थान के लिए विनाइल स्टिकर्स और बोर्ड का उपयोग करके ट्रेन कोचों के अंदरूनी हिस्से में विज्ञापन (कोच संरचना और विज्ञापन के लिए आयाम के अनुसार)।	17.11.2025 11:30:00 hrs.
24	ADVT-Int-239887-1-25-1 (Advertising-Train Interior)	ट्रेन संख्या 52455/56 में वाणिज्यिक विज्ञापन स्थान के लिए विनाइल स्टिकर्स और बोर्ड का उपयोग करके ट्रेन कोचों के अंदरूनी हिस्से में विज्ञापन (कोच संरचना और विज्ञापन के लिए आयाम के अनुसार)।	17.11.2025 11:30:00 hrs.
25	ADVT-Int-98543-2-25-1 (Advertising-Train Interior)	ट्रेन संख्या 52451/52 में वाणिज्यिक विज्ञापन स्थान के लिए विनाइल स्टिकर्स और बोर्ड का उपयोग करके ट्रेन कोचों के अंदरूनी हिस्से में विज्ञापन (कोच संरचना और विज्ञापन के लिए आयाम के अनुसार)।	17.11.2025 11:30:00 hrs.
26	ADVT-Int-273108-1-25-1 (Advertising-Train Interior)	ट्रेन संख्या 52453/54 में वाणिज्यिक विज्ञापन स्थान के लिए विनाइल स्टिकर्स और बोर्ड का उपयोग करके ट्रेन कोचों के अंदरूनी हिस्से में विज्ञापन (कोच संरचना और विज्ञापन के लिए आयाम के अनुसार)।	17.11.2025 11:30:00 hrs.
27	ADVT-Int-132321-1-25-1 (Advertising-Train Interior)	ट्रेन संख्या 52459/58 में वाणिज्यिक विज्ञापन स्थान के लिए विनाइल स्टिकर्स और बोर्ड का उपयोग करके ट्रेन कोचों के अंदरूनी हिस्से में विज्ञापन (कोच संरचना और विज्ञापन के लिए आयाम के अनुसार)।	17.11.2025 11:30:00 hrs.
28	ADVF-EFF-137547-7-25-1 {Advertising-Train Exterior (Full Face)}	ट्रेन संख्या 14523/24 (UMB-BJU एक्सप्रेस) के पूर्ण बाहरी हिस्से पर विनाइल रैपिंग के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के लिए स्थान	17.11.2025 11:30:00 hrs.
29	ADVF-EFF-100891-5-25-1 {Advertising-Train Exterior (Full Face)}	ट्रेन संख्या 14525/26 (UMB-SGNR एक्सप्रेस) के पूर्ण बाहरी हिस्से पर विनाइल रैपिंग के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के लिए स्थान	17.11.2025 11:30:00 hrs.
30	ADVT-UMB-SML-OH-306-24-1 (Advertising - Out of Home)	शिमला रेलवे स्टेशन पर यूनिपोल्स/होर्डिंग्स के माध्यम से विज्ञापन के लिए कुल 5 स्थल, जिनका कुल क्षेत्रफल 1028 वर्ग फुट है।	17.11.2025 11:30:00 hrs.
31	ADVT-UMB-AADR-OH-316-25-1(Advertising -Out of Home)	अंबअंदौरा रेलवे स्टेशन पर यूनिपोल्स/होर्डिंग्स के माध्यम से विज्ञापन के लिए कुल 12 स्थल, जिनका कुल क्षेत्रफल 864 वर्ग फुट है।	17.11.2025 11:30:00 hrs.
32	ADVT-UMB-RPAR-OH-315-25-1 (Advertising - Out of Home)	रूपनगर रेलवे स्टेशन पर यूनिपोल्स/होर्डिंग्स के माध्यम से विज्ञापन के लिए कुल 6 स्थल, जिनका कुल क्षेत्रफल 864 वर्ग फुट है।	17.11.2025 11:30:00 hrs.
33	ADVT-UMB-ANSB-OH-318-25-1 (Advertising -Out of Home)	आनंदपुर साहिब रेलवे स्टेशन पर यूनिपोल्स/होर्डिंग्स के माध्यम से विज्ञापन के लिए कुल 13 स्थल, जिनका कुल क्षेत्रफल 1872 वर्ग फुट है।	17.11.2025 11:30:00 hrs.
34	ADVT-UMB-SRE-OSD-311- 24-1 {Advertising-On station premises (Digital)}	सहारनपुर स्टेशन पर यूटीएस हॉल के ऊपर 01 (एक) डिजिटल मीडिया, आकार 30′x5′ (एकतरफा). कुल क्षेत्रफल = 150 वर्ग फुट।	17.11.2025 11:30:00 hrs.
35	ADVT-UMB-BTI-OSN-314-25-1 (Advertising-On station premises-Non Digital)	बठिंडा रेलवे स्टेशन के प्लेटफ़ॉर्म संख्या 5, 6 और 7 पर 1014 वर्ग फुट क्षेत्र में गैर-डिजिटल वाणिज्यिक विज्ञापन के लिए स्थान	17.11.2025 11:30:00 hrs.

ई-नीलामी लीजिंग आमंत्रण सूचना, नीलामी प्रपत्र, एक बार पंजीकरण व अधिक जानकारी हेतु, रेलवे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जायें।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

3426/25

एक लाख से अधिक नागरिकों ने जोड़ा कदम

पूरे भारत में आरसीएम की रूपांतरण यात्रा बनी जनआंदोलन; अब पहुँच रही है रीवा

रीवा, (मध्य प्रदेश)। आरसीएम की रूपांतरण यात्रा, जिसमें अब तक देश के 20 शहरों में एक लाख से अधिक नागरिक जुड़ चुके हैं, 7 नवम्बर को रीवा पहुँचेगी।

16 सितंबर 2025 को राजस्थान के भीलवाड़ा से आरसीएम के 25वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में शुरू हुई यह यात्रा सभी अपेक्षाओं से आगे निकल चुकी है और अब एक जन-आंदोलन का रूप ले चुकी है। अब तक की यात्रा के उत्साह को देखते हुए उम्मीद है कि रीवा में इस यात्रा को और भी ज़्यादा जनसमर्थन मिलेगा, जहाँ हर उम्र और वर्ग के नागरिक सक्रिय भागीदारी करेंगे।

इस यात्रा के दौरान आम नागरिक - बच्चे, महिलाएं और परिवार - स्वास्थ्य सेवा और संस्कार जैसे मुख्य सिद्धांतों को अपनाने का संकल्प ले रहे हैं। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से बचाव और समाज सेवा के महत्व के बारे में सीखा है।

अब तक 2,000 से अधिक लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान भी किया है, जो समाज के प्रति गहरी जिम्मेदारी और अपनत्व की भावना को दर्शाता है। यह संख्या दिसंबर 23, 2025 को यात्रा के समापन तक और बढ़ने की संभावना है।

रूपांतरण यात्रा की सफलता का मूल

कारण है आम जनता की सच्ची और स्वप्रेरित भागीदारी। स्वास्थ्य जागरूकता पर केंद्रित इस यात्रा में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, थायरॉइड और उच्च कोलेस्ट्रॉल जैसी जीवनशैली बीमारियों पर व्यावहारिक सत्रों और चिकित्सा शिविरों के माध्यम से जागरूकता फैलाई जा रही है। यह 100 दिनों की, 17,000 किलोमीटर लंबी राष्ट्रव्यापी यात्रा 75 शहरों का दौरा करेगी और 25 भव्य समारोहों का आयोजन करेगी। यह अभियान आरसीएम के उस दृष्टिकोण को सशक्त करता है कि कंपनी केवल डायरेक्ट सेलिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि एक जन-केंद्रित और मूल्य-आधारित आंदोलन है। जब लोग बिना किसी अपेक्षा के सेवा के लिए आगे आते हैं, तो वह एक आयोजन नहीं बल्कि जागरण होता है, रूपांतरण यात्रा के मार्गदर्शक तिलोकचंद छाबड़ा ने कहा। उन्होंने आगे कहा, यह आंदोलन हमें दिखा रहा है कि सच्चा परिवर्तन तभी शुरू होता है जब नागरिक अपने जीवन में स्वास्थ्य, सेवा और संस्कार को अपनाते हैं।

भारत की अग्रणी डायरेक्ट सेलिंग कंपनी आरसीएम ने वर्ष 2000 में अपने संचालन की शुरुआत की थी। आज यह ?2,400 करोड़ के कारोबार वाला प्रतिष्ठान बन चुका है – वह भी बिना किसी वेंचर कैपिटल या बाहरी फंडिंग के। यह इसकी सह-खरीदारों की भागीदारी और उपभोक्ताओं के भरोसे का परिणाम है। आरसीएम के 400 से अधिक उत्पादों के पोर्टफोलियो की विशेषता यह है कि इनमें पाम ऑयल का उपयोग नहीं किया जाता। इसके बजाय राइस ब्रान ऑयल का उपयोग किया जाता है, जिसमें गामा ओरीज़नॉल नामक प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो उच्च कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है।

टेक्नोलाजी की मदद से करें स्मार्ट पढ़ाई

स्मार्ट पढ़ाई करने के लिए आप को किताबों की जरूरत नहीं है। बिना किताबों के भी अब आप अपनी पढ़ाई को जारी रख सकते हैं। स्मार्ट पढ़ाई करने में टेक्नोलाजी आप की पूरी मदद करेगी।

स्मार्ट पढ़ाई करने के लिए आप को किताबों की जरूरत नहीं है। बिना किताबों के भी अब आप अपनी पढ़ाई को जारी रख सकते हैं। स्मार्ट पढ़ाई करने में टेक्नोलाजी आप की पूरी मदद करेगी। नौकरी सर्च करनी हो, पढ़ाई करनी हो ऐसी सैंकड़ों ऐप्लीकेशन मौजूद हैं जो आपकी मदद कर सकते हैं। कम्पीटीटिव एग्जाम वाली ऐप्लिकेशन्स को गूगल प्ले स्टोर या एंड्रॉयड मार्केट से फ्री में डाउनलोड कर आप कभी भी पढ़ाई कर सकते हैं।

इंडिया जीके क्वेशचन

हर कंपटीशन में देश से जुड़े जनरल नॉलेज के सवाल पूछे जाते हैं। गवर्नमेंट एग्जाम में जनरल नॉलेज महत्वपूर्ण सेक्शन होता है। इसलिए बेहतर तैयारी के लिए बनाई गई है इंडिया जीके क्वेश्चन ऐप्लिकेशन। इस ऐप की खासियत है कि इसमें इतिहास, भूगोल, विज्ञान, संविधान और सामान्य ज्ञान के सवालों का क्वेश्चन बैंक है। इन्हें सॉल्व कर छात्र परीक्षा के लिए अपनी प्रैक्टिस करते हैं। इस ऐप्लिकेशन में भारत के इतिहास, भूगोल, विज्ञान, संविधान से जुड़े सवालों की पूरी जानकारी दी गई है।

ऑफलाइन डिक्शनरी ऐप

अंग्रेजी पर पकड़ बनाये बिना आप कोई भी कंपटीशन नहीं जीत सकते हैं। ज्यादातर छात्रों को अंग्रेजी में समस्या होती है लेकिन अब उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है। कई ऐसी ऐप स्मार्टफोन पर मौजूद हैं जिनसे छात्र न सिर्फ अपनी भाषा सुधार सकते हैं बल्कि अंग्रेजी शब्दों का कोष भी बना सकते हैं। हिन्दी से इंग्लिश और इंग्लिश से हिन्दी ट्रांसलेशन के लिए कई ऑफलाइन ऐप्लिकेशन मौजूद हैं। ऑक्सफोर्ड और ब्रिटिश डिक्शनरी ऐप भी मौजूद हैं जहां आप आसानी से अंग्रेजी भाषा पर अपनी पकड़ बना सकते हैं।

ऐप्टीट्यूट रीजनिंग ट्रिक्स

रीजनिंग प्रतियोगी परीक्षाओं में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण टॉपिक होता है। अगर आप को ट्रिक पता है तो रीजनिंग के सवाल काफी कम समय में आसानी से सॉल्व हो जाते हैं। ट्रिक पता न होने पर यह सबसे ज्यादा टाइमटेकिंग होते हैं जो आप का मूड चकरा कर रख देंगे। ऐप्टीट्यूट रीजनिंग ट्रिक्स ऐप में रीजनिंग के सवालों को हल करने के लिए काफी आसान ट्रिक्स बताए गए हैं। इस ऐप में दिए गए शॉर्टकट ट्रिक्स के जरिए छात्र प्रतिदिन सवालों को सॉल्व करने की ढेरों ट्रिक सीख सकते हैं। जिन्हें सीखने के बाद आप आसानी से कंपटीशन को क्रेक कर सकते हैं।

डेली जीके हिंदी

डेली जीके हिंदी ऐप के जरिए दुनियाभर में होने वाली घटनाओं की जानकारी दी जाती है। यह ऐप काफी हद तक किसी न्यूज वेबसाइट की तरह काम करती है। इसमें मनोरंजन, राजनीति, विज्ञान, भूगोल और गणित जैसे कई सवालों के विकल्प मौजूद हैं। डेली जीके हिंदी ऐप के जरिए विश्वभर में होने वाले घटनाक्रमों की पूरी जानाकरी मिल जाती है। एस ऐप में आप क्विज भी खेल सकते हैं। किसी विषय में कितनी जानकारी है इस ऐप की मदद से आप यह भी जान सकते हैं।

ऑनलाइन तैयारी जीके एग्जाम ऐप

कम्पीटीटिव एग्जाम को पास करने के लिए ऑनलाइन तैयारी जीके एग्जाम ऐप में सामान्य ज्ञान, समसामयिकी और अंग्रेजी की शानदार जानकारी दी गई है। इस ऐप पर जो भी जानकारी मौजूद है वह एसएससी, आईबीपीएस व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के हिसाब से बेहद कारगर साबित हो रही है। ऑनलाइन तैयारी जीके एग्जाम ऐप की सबसे खास बात यह है कि इसमें कई मॉक टेस्ट सीरीज दी गई हैं। इन टेस्ट सीरीज की मदद से छात्र खुद प्रतियोगी परीक्षा का अभ्यास घर बैठे ही कर सकते हैं।

जीके फॉर आईएएस एसएससी एंड आईबीपीएस एग्जाम

जीके फॉर आईएएस एसएससी एंड आईबीपीएस एग्जाम ऐप के जरिए इच्छुक छात्र संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं की तैयारी भी शुरू कर सकते हैं। इस ऐप में मॉक टेस्ट, क्वेश्चन बैंक और डेली न्यूज का विकल्प दिया गया है। किस राज्य में क्या चल रहा है उससे जुड़ी हर छोटी-बड़ी जानकारी इस ऐप पर होती है। इस ऐप के जरिए आप ऑनलाइन भी दोस्तों से सवाल जवाब कर सकते हैं। इस ऐप में हर रोज खबरों को अपडेट किया जाता है जिससे आप वर्तमान में चल रही सभी घटनाओं पर नजर रख सकते हैं।

कोर्स ऐसे जो रोज़गार दिलाएं

रेगुलर कॉलेजों में पढ़ाई के साथ-साथ रोज़गारपरक स्किल सिखाने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के एडल्ट एजुकेशन डिपार्टमेंट ने अपने यहां तरह-तरह के शॉर्ट टर्म कोर्स शुरू किए हैं। इनमें कोई समाज कार्य से जुड़ा है तो कोई स्वास्थ्य और खेल के क्रियाकलापों से। कोई शैक्षिक गतिविधियों में महत्त्वपूर्ण कड़ी साबित होने की ट्रेनिंग देता है तो कोई समाज में भूले-भटके और दिशाहीन लोगों को राह दिखाने की। तीन माह की अवधि वाले ये सर्टिफिकेट कोर्स थ्योरी और प्रैक्टिकल, दोनों से लैस हैं। इनमें दाखिले की प्रक्रिया जारी है।

वोलंटियर मैनेजमेंट

यह कोर्स सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर भाग लेने वाले वोलंटियर्स को तैयार करता है। आज देश से लेकर विदेश तक तरह-तरह की संस्थाएं चल रही हैं। उन्हें अपने कार्यों को सही तरीके से अंजाम देने के लिए फील्ड में काफी संख्या में वोलंटियर्स की ज़रूरत पड़ती है। इसके लिए उन्हें ऐसे युवाओं की आवश्यकता होती है, जो इस कार्य में दक्ष हों। वोलंटियर मैनेजमेंट ऐसे ही छात्रों को तैयार करता है। वोलंटियर क्या है। उसका रोल क्या है। अपने कार्यों को किस ढंग से अंजाम तक पहुंचाना है, ये चीज़ें इस कोर्स में बताई जाती हैं।

स्पोर्ट्स एंड मेडिसिन

यह कोर्स स्पोर्ट्स मेडिसिन के बारे में छात्रों को जागरूक करता है। खेलकूद के दौरान फिज़ियोथेरेपिस्ट के साथ कैसे मददगार बनें, इसकी ट्रेनिंग इस कोर्स के तहत दी जाती है। विभाग के शिक्षक डॉ. राजेश ने बताया कि पैरामेडिकल वर्कर के रूप में काम करने के लिए यह कोर्स युवाओं को तैयार करता है। इसमें छात्र डॉक्टर नहीं, बल्कि उसके हेल्पर के रूप में काम करते हैं। चाहे वह कॉमनवेल्थ गेम हो या कोई और नेशनल गेम, ऐसे वर्करों की सदा ज़रूरत पड़ती है।

काउंसलिंग एंड गाइडेंस

यह कोर्स छात्रों को करियर की राह में मार्गदर्शक बनने की ट्रेनिंग देता है। शिक्षा का क्षेत्र हो या खेलकूद, मनोविज्ञान का मामला हो या वोकेशनल ट्रेनिंग का, आज हर जगह काउंसलिंग की ज़रूरत पड़ रही है। इसमें छात्रों को एक दक्ष परामर्शदाता बनने का हुनर सिखाया जाता है। यूजीसी ने 11वें प्लान में विभिन्न शिक्षण संस्थानों में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर खोलने की योजना तैयार की है। इस तरह के सेंटर पर काउंसिलिंग के लिए ऐसे युवाओं की ज़रूरत रहेगी।

स्पोर्ट्स एंड साइंस जर्नलिज़्म

यह कोर्स पत्रकारिता के अंतर्गत स्पेशलाइज्ड यानी किसी विशेष क्षेत्र में जाने की आधारभूत ट्रेनिंग देता है। छात्रों को इस क्षेत्र में कैसे काम करना है, कैसे अपनी पहचान बनानी है और इसके लिए क्या-क्या तरकीबें अपनानी हैं, इसकी जानकारी प्रदान करता है।

बेहतर करियर विकल्प के रूप में विकसित हो रहा है पैराग्लाइडिंग

आसमां में उड़ने की चाहत ने पैराग्लाइडिंग का दायरा काफी बढ़ा दिया है। पिछले कुछ समय से युवाओं में पैराग्लाइडिंग को लेकर गजब का क्रेज देखा जा रहा है। बात चाहे समर वेकेशन की हो या फिर किसी अन्य मौके पर दो-तीन दिनों की छुट्टियों की, युवाओं की पहली पसंद होती है पैराग्लाइडिंग करना। इन्हें जब भी मौका मिलता है, आसमां की सैर करने के लिए निकल पड़ते हैं। युवाओं की इसी पसंद ने इस क्षेत्र को एक बेहतर करियर विकल्प के रूप में विकसित कर दिया है।

खुले आसमां में पंछियों की तरह उड़ना किसे अच्छा नहीं लगता। सभी की चाहत होती है कि काश वे भी पंछियों की तरह आसमां की सैर कर सकें। वायुयान ने आसमां में उड़ने की सुविधा तो मुहैया कराई, लेकिन इसमें वह मजा कहां, जो अपने पंखों पर बगैर किसी रोक-टोक के उड़ने में है। आसमां में उड़ने की लोगों की इसी चाहत ने पैराशूट को जन्म दिया। पैराशूट में आप अपने मनमुताबिक आसमां की सैर कर सकते हैं, धरती से हजारों फुट ऊपर से धरती को निहार सकते हैं और बादलों के साथ काफी करीब से आसमां को अनुभव कर सकते हैं। पैराशूट के सहारे आसमां और बादलों की सैर करना ही पैराग्लाइडिंग है। आसमां में उड़ने की चाहत ने पैराग्लाइडिंग का दायरा काफी बढ़ा दिया है। पिछले कुछ समय से युवाओं में पैराग्लाइडिंग को लेकर गजब का क्रेज देखा जा रहा है। बात चाहे समर वेकेशन की हो या फिर किसी अन्य मौके पर दो-तीन दिनों की छुट्टियों की, युवाओं की पहली पसंद होती है पैराग्लाइडिंग करना। इन्हें जब भी मौका मिलता है, आसमां की सैर करने के लिए निकल पड़ते हैं। युवाओं की इसी पसंद ने इस क्षेत्र को एक बेहतर करियर विकल्प के रूप में विकसित कर दिया है।

पैराग्लाइडिंग के लिए जरूरी है इंस्ट्रक्टर

पैराग्लाइडिंग एक ऐसा एडवेंचरस गेम है, जिसे बगैर ट्रेनिंग और गाइडेंस के नहीं किया जा सकता। पैराग्लाइडिंग करने के लिए सही ट्रेनिंग और गाइडेंस की अत्यधिक जरूरत पड़ती है। युवाओं को पैराग्लाइडिंग की ट्रेनिंग और उसके गूढ़ रहस्यों के बारे में बताने का काम करते हैं पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर। आज के समय में जिस तेज रफ्तार से युवाओं में पैराग्लाइडिंग का क्रेज बढ़ता जा रहा है, उस अनुपात में कुशल इंस्ट्रक्टरों की काफी कमी है। अत- युवाओं के करियर के लिहाज से भी यह क्षेत्र काफी उज्ज्वल संभावनाओं से भरा है।

कैसे हासिल करें मुकाम

पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर बनने के लिए देशभर में कई संस्थान पाठयक्रम संचालित कर रहे हैं। 10वीं या 12वीं के बाद वहां से कोर्स और उचित ट्रेनिंग लेकर आप इंस्ट्रक्टर बन सकते हैं, पर कोर्स और ट्रेनिंग के साथ-साथ पैराग्लाइडिंग का नियमित अभ्यास बेहद जरूरी है। जब तक आप खुद एक कुशल पैराग्लाइडर नहीं बन जाते, तब तक किसी और को प्रशिक्षित करना बेहद मुश्किल है।

क्या करते हैं इंस्ट्रक्टर

इंस्ट्रक्टर का मुख्य काम नए पैराग्लाइडर को इंस्ट्रक्शन देना होता है। पैराग्लाइडिंग से संबंधित बारीकियों के बारे में बताना और उनके बारे में सही ट्रेनिंग देकर किसी भी आम इंसान को आसमां में उडम्ने के लिए तैयार करने का काम पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर ही करते हैं। ग्राउंड लेवल ट्रेनिंग से लेकर 100 फुट से 1000 फुट की ऊंचाई में उडम्ने का अभ्यास कराना और निडर होकर आकाश में उडम्ने के काबिल बनाना एक कुशल इंस्ट्रक्टर के अलावा कोई अन्य कर ही नहीं सकता।

स्किल्स

एडवेंचर करने की चाहत साहसी और निडर मेंटली और फिजिकली फिट मौसम और पर्यावरण की समझ लोगों को गाइड करने की क्षमता विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य और समझ से काम लेने की शक्ति आदि।

वेतन

शुरुआती दिनों में पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर को 15 से 20 हजार रुपए प्रतिमाह मिलते हैं, लेकिन अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आमदनी का दायरा बढ़ता ही चला जाता है। अनुभव हासिल करने के बाद आप चाहें तो किसी हिलस्टेशन या टूरिस्ट प्लेस के एरिया में अपना ट्रेनिंग स्कूल भी खोल सकते हैं, जहां पैराग्लाइडिंग प्रेमियों को 3 दिन से 5 दिन की बिगनर्स ट्रेनिंग देकर उन्हें उडम्ने के काबिल बना सकते हैं। अपना ट्रेनिंग स्कूल खोलने पर अपने मनमुताबिक काम कर सकते हैं और सीखने वालों की संख्या बढ़ने पर लाखों रुपये प्रतिमाह तक कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीटयूट ऑफ पैराग्लाइडिंग एंड पैरामोटरिंग, पुणे
- निर्वाण एडवेंचर्स एयरप्ले पैराग्लाइडिंग स्कूल,
- पैराग्लाइडिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया, गोवा
- इंडस पैराग्लाइडिंग स्कूल, कमशेट, मुंबई
- अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीटयूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड पैराग्लाइडिंग

जोकोविच ने यूनान में टेनिस की वापसी पर जीत हासिल की

● WTA फाइनल्स में गॉफ ने पाओलिनी को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने दबाव में अपनी सर्विस बरकरार रखी, जब तक कि जोकोविच टाईब्रेकर में जीत नहीं गए। दूसरे सेट में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने दो बार ताबिलो की सर्विस तोड़ी और मैच 90 मिनट में अपने नाम कर दिया। नोवाक जोकोविच ने यूनान में 30 साल से भी अधिक समय के बाद किसी शीर्ष स्तर के टेनिस टूर्नामेंट की वापसी पर शुरू में संघर्ष करने के बाद सीधे सेटों में जीत हासिल करके हेलेनिक

चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। यूनान में 1994 के बाद पहली बार आयोजित किए जा रहे एलीट स्तर के टूर्नामेंट के पहले दौर में चिली के एलेजांद्रो ताबिलो को 7-6 (3), 6-1 से पराजित किया। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने दबाव में अपनी सर्विस बरकरार रखी, जब तक कि जोकोविच टाईब्रेकर में जीत नहीं गए। दूसरे सेट में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने दो बार ताबिलो की सर्विस तोड़ी और मैच 90 मिनट में अपने नाम कर दिया। इस वर्ष की शुरुआत में अपने परिवार के साथ एथेंस में बसने वाले जोकोविच ने मैच के बाद कहा, ''एथेंस ने खेलना वास्तव में घर जैसा लगता है। यहां के लोग मेरे साथ बहुत दोस्ताना व्यवहार करते हैं जिसने वास्तव में मेरे दिल को छू लिया।
गॉफ ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स में उम्मीद जीवंत रखी गत चैंपियन कोको गॉफ ने जैस्मीन पाओलिनी पर 6-3, 6-2 से जीत के साथ डब्ल्यूटीए फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। गॉफ को टूर्नामेंट के अपने शुरुआती मुकाबले में जेसिका पेगुला से तीन सेटों में हार का सामना करना पड़ा था।

आईसीसी टी-20 रैंकिंग में अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती शीर्ष पर कायम

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की नवीनतम टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। पाकिस्तान के बल्लेबाजों बाबर आजम, सैम अयूब, और सलमान आगा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के दम पर रैंकिंग में उल्लेखनीय बढ़त हासिल की। दूसरी ओर भारत के अभिषेक शर्मा बल्लेबाजों की सूची में पहले स्थान पर बने हुए हैं, जबकि वरुण चक्रवर्ती टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर कायम हैं।

रैंकिंग में वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के कई खिलाड़ियों ने भी शानदार सुधार किया है।
पाकिस्तान के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए हाल की टी20 सीरीज दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यादगार रही। बाबर आजम नौ पायदान ऊपर चढ़कर 30वें स्थान पर पहुंच गए हैं। सैम अयूब, जो अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं, 10 पायदान की छलांग लगाकर 39वें स्थान पर आ गए हैं। वहीं, सलमान आगा ने भी 10 पायदान की बढ़त के साथ 54वां स्थान हासिल किया है। इन तीनों खिलाड़ियों ने मिलकर पाकिस्तान की बल्लेबाजी को मजबूती दी, जिससे टीम को टी20 फॉर्मेट में नई ऊर्जा मिली है।

भारतीय टीम की निरंतर सफलता

टीम इंडिया के लिए साल 2025 अब तक बेहद सफल रहा है। भारतीय टीम ने अपनी पांच में से चार द्विपक्षीय टी20 श्रृंखलाएँ जीती हैं, जिनमें सबसे ताजी जीत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर 2-1 से मिली।

सूर्यकुमार यादव ने एबी डिविलियर्स से मांगी मदद

करियर बचाने की लगाई गुहार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज़ सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के महान खिलाड़ी एबी डिविलियर्स से अपने वनडे करियर को दोबारा संवारने में मदद मांगी है। 2023 विश्व कप के बाद से टीम इंडिया की 50 ओवर की टीम से बाहर चल रहे सूर्यकुमार ने माना कि वह वनडे और टी20 प्रारूपों के बीच सही संतुलन नहीं बना पाए। उन्होंने खुलकर कहा कि वह डिविलियर्स से मिलना चाहते हैं ताकि समझ सकें कि उन्होंने दोनों फॉर्मेट्स में किस तरह निरंतरता बनाए रखी। सूर्यकुमार ने एबी से सीधे अपील की कि 'कृपया मुझसे संपर्क करें, मुझे आपकी मदद चाहिए।'

वनडे करियर में निराशाजनक प्रदर्शन- सूर्यकुमार यादव ने अब तक भारत के लिए 37 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 25.76 की औसत से 773 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके नाम चार अर्धशतक हैं, लेकिन कोई शतक नहीं। उनका वनडे करियर, खासकर 2023 विश्व कप के बाद, संघर्ष भरा रहा है। फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी पारी बेहद धीमी रही, जिससे टीम को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद से चयनकर्ताओं ने उन्हें वनडे फॉर्मेट से बाहर कर दिया। हालांकि टी20 क्रिकेट में सूर्यकुमार की छवि अब भी एक धमाकेदार बल्लेबाज़ की है, वनडे में वह उस सफलता को

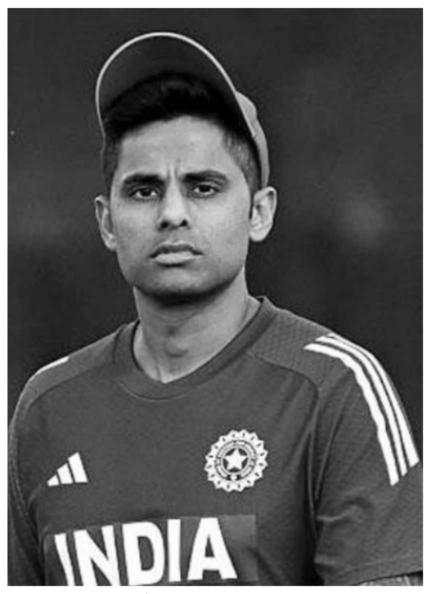

दोहरा नहीं पाए हैं।

डिविलियर्स से सीखने की इच्छा- हाल ही में पत्रकार विमल कुमार से बातचीत में सूर्यकुमार ने खुलासा किया कि वह जल्द ही एबी डिविलियर्स से मिलने वाले हैं। उन्होंने कहा, 'मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि उन्होंने वनडे और टी20 के बीच संतुलन कैसे बनाए रखा। मैंने वनडे को टी20 की तरह खेलने की कोशिश की, लेकिन वह तरीका काम नहीं आया।'

- **सोशल मीडिया पर एबी को सीधी अपील-** सूर्यकुमार ने बातचीत में मज़ाकिया लेकिन भावनात्मक लहज़े में डिविलियर्स से सीधा संदेश भी दिया। उन्होंने कहा, 'एबी, अगर आप यह सुन रहे हैं, तो कृपया मुझसे संपर्क करें। मेरे पास अब भी तीन-चार साल बचे हैं और मैं वनडे क्रिकेट खेलना चाहता हूं। मैं टी20 और वनडे दोनों में संतुलन नहीं बना पाया। कृपया मेरी मदद करें!' उनकी यह अपील क्रिकेट फैंस के बीच वायरल हो गई, और कई लोगों ने इसे 'दिल से निकली सच्ची गुहार' बताया।
- **डिविलियर्स - सीमित ओवरों के उस्ताद-** एबी डिविलियर्स को आधुनिक युग के सबसे महान बल्लेबाजों में गिना जाता है। उन्होंने अपने करियर में 228 वनडे मैचों में 9577 रन बनाए, जिसमें 25 शतक शामिल हैं। वहीं 78 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 1672 रन जोड़े। डिविलियर्स की खासियत थी कि वह परिस्थितियों के अनुसार अपना खेल बदल लेते थे, कभी रक्षात्मक, तो कभी विस्फोटक। यही लचीलापन उन्हें दोनों फॉर्मेट में सफल बनाता था।
- **भविष्य की उम्मीदें-** सूर्यकुमार यादव वर्तमान में भारतीय टी20 टीम के कप्तान हैं और आगामी टी20 विश्व कप की तैयारियों में व्यस्त हैं। हालांकि, उनका सपना है कि वह फिर से वनडे टीम का हिस्सा बनें और अपने करियर के अंतिम वर्षों में भारत के लिए अहम योगदान दें। अगर एबी डिविलियर्स से उन्हें सही सलाह मिलती है, तो संभव है कि सूर्यकुमार अपने वनडे करियर को नई दिशा दें जैसे उन्होंने टी20 क्रिकेट में किया।

गर्व का अनुभव कर रहा हूं

नाइटहुड की उपाधि मिलने पर बोले डेविड बेकहम

बर्कशायर, एजेंसी। इंग्लैंड फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान डेविड बेकहम को खेल और समाजसेवा के क्षेत्र में असाधारण योगदान के लिए मंगलवार को विंडसर कैसल में नाइटहुड की उपाधि से सम्मानित किया गया। डेविड बेकहम ने सम्मानित होने के बाद कहा, मुझे अपने देश से प्यार है। सम्मान पाकर मैं गर्व का अनुभव कर रहा हूं। पूर्व फुटबॉलर ने कहा, 'मेरे परिवार के लिए राजशाही बेहद महत्वपूर्ण है। मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे दुनिया भर में यात्राएं करने का मौका मिला है। मैं जहां भी जाता हूं, लोग मुझसे सिर्फ हमारी राजशाही के बारे में बात करना चाहते हैं। यह मेरे लिए गर्व का पल होता है।
नाइटहुड की उपाधि एक प्रतिष्ठित सम्मान है, जो किसी व्यक्ति को उसके असाधारण कार्यों और समाज में महत्वपूर्ण योगदान के लिए दी जाती है। यह उपाधि यूनाइटेड किंगडम के सम्राट द्वारा दी जाती है।
उपाधि के बाद पुरुष को 'सर' कहकर संबोधित किया जाता है। बेकहम का नाम दुनिया के मशहूर, लोकप्रिय और सफलतम फुटबॉलर के रूप में लिया जाता है। लेकिन, खेल के अलावा भी बेकहम का कद बहुत बड़ा है। 2012 में लंदन को ओलंपिक की मेजबानी दिलाने में उनकी बड़ी भूमिका रही थी, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उनके बड़े कद का एक ये भी कारण है। बेकहम 2005 से यूनिसेफ से जुड़े हुए हैं और दुनियाभर में सामाजिक कार्य को लेकर जागरूकता कार्यक्रम में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। 2024

में, बेकहम किंग्स फाउंडेशन के राजदूत बन गए, और किंग चार्ल्स की शिक्षा और युवा कार्यक्रमों का समर्थन किया, जो युवाओं में पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देते हैं। व्यापार जगत में भी बेकहम सफल हैं। वह अपने पूर्व साथी गैरी नेविल के साथ लीग टू क्लब सैलफोर्ड सिटी के सह-मालिक भी हैं, और मेजर लीग सॉकर टीम इंटर मियामी के सह-मालिक भी हैं। बेकहम के फुटबॉल करियर पर नजर डालें तो इंग्लैंड के लिए 50 साल के बेकहम ने 1996 से 2009 के बीच 115 मैचों में 17 गोल किए। प्रोफेशनल करियर में बेकहम मैनचेस्टर यूनाइटेड, रियल मैड्रिड, एसी मिलान और पेरिस सेंट-जर्मन के लिए खेले। कुल 523 मैचों में 97 गोल किए।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपनी बांह पर बनवाई विश्व कप ट्रॉफी की 'टैटू'

नई दिल्ली, एजेंसी। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला टीम ने 2 नवंबर को इतिहास रचते हुए अपना पहला विश्व कप जीता। फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराया। भारतीय टीम में शामिल खिलाड़ियों के लिए 2 नवंबर का दिन उस सपने को जीना था जिसे वे और देशवासी वर्षों से देख रहे थे। खिलाड़ी अभी भी विश्व कप में मिली जीत के रोमांच से बाहर नहीं आ पाई हैं और पल-पल उसे जी रही हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने तो अपनी बांह पर विश्व कप ट्रॉफी की टैटू ही बनवा ली है। हरमनप्रीत कौर ने विश्व कप ट्रॉफी की टैटू के साथ ही अपनी बांह पर '2025' और '52' भी गुदवाया है। दरअसल, भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराया था। भारतीय कप्तान ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर नए टैटू की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'यह ट्रॉफी हमेशा के लिए मेरी त्वचा और दिल में बस गई है। पहले दिन से तुम्हारा इंतजार कर रही थी और अब मैं तुम्हें हर सुबह देखूंगी और आभारी रहूंगी।

फिडे वर्ल्ड कपः 'चेस के मेसी' 12 वर्षीय ओरो फाउस्टिनो का बड़ा कारनामा, विदित गुजराती को ड्रॉ पर रोका

नई दिल्ली, एजेंसी। 'चेस के मेसी' नाम से मशहूर फाउस्टिनो ने एक बार फिर अपने असाधारण खेल से सबको चौंका दिया। पहले दौर में उन्होंने क्रोएशिया के आंटे ब्रकिक को हराकर सनसनी फैला दी थी। अब उन्होंने दूसरे दौर के पहले मुकाबले में भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती को ड्रॉ पर रोक दिया। फिडे विश्व कप के दूसरे दौर के पहले मुकाबले में भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती को 12 वर्षीय अर्जेंटीनी प्रतिभा ओरो फाउस्टिनो ने ड्रॉ पर रोक दिया। 'चेस के मेसी' नाम से मशहूर फाउस्टिनो ने एक बार फिर अपने असाधारण खेल से सबको चौंका दिया। पहले दौर में उन्होंने क्रोएशिया के आंटे ब्रकिक को हराकर सनसनी फैला दी थी।

फाउस्टिनो ने दी कड़ी टक्कर

मंगलवार को खेले गए मुकाबले में फाउस्टिनो ने काले मोहरों से बर्लिन डिफेंस अपनाई। विदित ने मिडिल गेम में थोड़ी बढ़त पाने की कोशिश की, लेकिन अर्जेंटीना के खिलाड़ी ने सटीक चालों से स्थिति बराबर रखी। आखिर में विदित ने जोखिम से बचते हुए तीन बार पोजिशन दोहराई और 28 चालों में खेल ड्रॉ घोषित हुआ। अब बुधवार को खेले जाने वाले रिटर्न गेम में विदित काले मोहरों से खेलेंगे। अगर वह मुकाबला भी बराबरी पर छूटा, तो नतीजा तय करने के लिए टाई-ब्रेक (कम समय वाले खेल) खेले जाएंगे।

मार्नस लाबुशेन की एशेज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी

पहले टेस्ट के लिए हुई कंगारू टीम की घोषणा

गोल्ड कोस्ट, एजेंसी। लगातार लचर प्रदर्शन के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में नहीं खेल पाने वाले मार्नस लाबुशेन की एशेज श्रृंखला के लिए आस्ट्रेलियाई टीम में वापसी हुई है। चयनकर्ताओं ने इस अनुभवी बल्लेबाज को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए बुधवार को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया। लाबुशेन खराब फॉर्म के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे लेकिन इस बीच उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया जिससे वह वापसी करने में सफल रहे। सलामी बल्लेबाज जेक वेदरल्ड 21 नवंबर से पर्थ में होने वाले मैच से टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण कर सकते हैं। उन्हें मैट रेनशॉ और सैम कोंस्टास पर तरजीह दी गई है, हालांकि अभी यह तय नहीं है कि उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत कौन करेगा। वेदरल्ड पिछले साल शेफील्ड शील्ड टूर्नामेंट में 50.33 की औसत से 906 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से श्रीलंका ए के खिलाफ शतक भी लगाया था। नियमित कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति में स्टीव स्मिथ श्रृंखला के पहले मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम की अगुवाई करेंगे। कमिंस अभी भी पीठ के निचले हिस्से की समस्या से उबर रहे हैं। स्कॉट बोलैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण में मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड के साथ शामिल होने की उम्मीद है, जबकि तेज गेंदबाजी विकल्प के रूप में ब्रेंडन डोगेट और सीन एबॉट भी टीम में हैं। ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर और कैमरन ग्रीन को भी टीम में शामिल किया गया है।

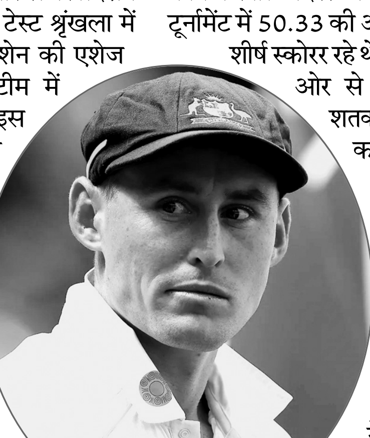

टीम इस प्रकार है

स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डॉगेट, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिशेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड, ब्यू वेबस्टर।

महिला विश्व कप जीतने के बाद मंधाना को लगा झटका

स्मृति ने आईसीसी रैंकिंग में पहला स्थान गंवाया

दुबई, एजेंसी। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की नई महिला एक दिवसीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर खिसक गई है लेकिन जेमिमा रोड्रिग्स 9 स्थान की छलांग लगाकर 10वें स्थान पर पहुंच गईं। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट नवीनतम सूची में दो स्थान ऊपर चढ़कर पहले स्थान पर पहुंच गई हैं। सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में शतक जड़ने के अपने अविश्वसनीय प्रदर्शन के बाद वोल्वार्ड्ट ने मंधाना को पीछे छोड़ दिया। वोल्वार्ड्ट ने टूर्नामेंट में 571 रन बनाए, जो किसी एक विश्व कप में सर्वाधिक रन का नया रिकॉर्ड है। इससे वह अपने करियर की सर्वोच्च रेटिंग 814 हासिल करने में सफल रही। भारत ने रविवार को खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। नवी मुंबई में सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद शतक जड़कर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाली रोड्रिग्स ने अपने इस शानदार प्रदर्शन के दम पर शीर्ष 10 में प्रवेश किया, जबकि फोबे लिचफील्ड ने उसी मैच में शतक की बदौलत 13 स्थान की छलांग लगाकर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 13वीं रैंकिंग (637) हासिल की। ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी सातवें स्थान पर पहुंच गईं। उन्होंने न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन के साथ संयुक्त सातवां स्थान हासिल किया। डिवाइन पहले ही वनडे से संन्यास लेने की घोषणा कर चुकी है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर भी चार स्थान ऊपर चढ़कर 14वें स्थान पर पहुंच गयीं। गेंदबाजी रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका की मारिजाने काप अब सोफी एक्लेस्टोन को शीर्ष स्थान से हटाने के करीब पहुंच गई हैं। उनके अब 712 रेटिंग अंक हो गए हैं। भारत की दीप्ति शर्मा विश्व कप फाइनल में 58 रन बनाने के अलावा पांच विकेट लेने के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑलराउंडर की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गई है।

बांग्लादेश क्रिकेट में बवालः निगार सुल्ताना 'जूनियर खिलाड़ियों को पीटती हैं'

● तेज गेंदबाज का कप्तान पर सनसनीखेज आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट में महिला टीम से बाहर चल रही तेज गेंदबाज जहांआरा आलम को आरोपों ने बवाल मचा दिया है। आलम ने कप्तान निगार सुल्ताना जोती पर जूनियर क्रिकेटरों को पीटने का आरोप लगाया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने इस आरोप को 'निराधार और दुर्भाग्यपूर्ण' बताते हुए खारिज कर दिया है। बांग्लादेश के अखबार

'कलेर कांथो' को दिए एक इंटरव्यू में आलम ने भारत और श्रीलंका में हाल ही में हुए महिला वनडे विश्व कप में टीम के सातवें स्थान पर रहने के बाद मौजूदा कप्तान, कुछ साथियों, कोचिंग स्टाफ और टीम प्रबंधन पर कई चौंकाने वाले आरोप लगाए हैं। आलम ने अखबार से कहा, 'यह कोई नई बात नहीं है। जोती जूनियर्स को खूब पीटती है। इस विश्व कप के दौरान भी, जूनियर्स ने मुझसे कहा था, नहीं, मैं ऐसा दोबारा नहीं करूंगी। मुझे फिर से थप्पड़ खाने पड़ेंगे।' मैंने कुछ लोगों से सुना, 'कल मेरी पिटाई हुई थी। दुबई दौरे के दौरान भी, उसने एक जूनियर को कमरे में बुलाकर थप्पड़ मारा था।'

टीम का माहौल टॉक्सिक

आलम ने इस साल की शुरुआत में संयुक्त अरब अमीरात में 2024 टी20 विश्व कप के दौरान मानसिक स्वास्थ्य खराब होने के बाद दो महीने का ब्रेक लिया था। उन्होंने पिछले साल दिसंबर में आयरलैंड के खिलाफ सीरीज के बाद बांग्लादेश के लिए नहीं खेला है। 32 वर्षीय खिलाड़ी ने बांग्लादेश के लिए 52 एकदिवसीय मैचों में 48 विकेट और 83 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 60 विकेट लिए हैं। उन्होंने ने दावा किया कि टीम का माहौल पिछले कुछ वर्षों में टॉक्सिक हो गया है।

सबकी तकलीफ अलग-अलग

आलम ने कहा, 'मैं अकेली नहीं हूं, बांग्लादेश टीम में हर कोई कमोबेश इसका शिकार है। सबकी तकलीफ अलग-अलग है। यहां एक-दो लोगों को बेहतरीन सुविधाएं मिलती हैं और कुछ मामलों में सिर्फ एक ही व्यक्ति को मिलती हैं। 2021 में, मेरे जैसे सीनियर खिलाड़ियों और कुछ अन्य लोगों को पोस्ट-कोविड कैंप से बाहर करने का सिलसिला शुरू हुआ। फिर मुझे बांग्लादेश की तीन टीमों में से एक का कप्तान बना दिया गया। बाकी दो टीमों की कप्तान जोती (निगार सुल्ताना) और शर्मिन सुल्ताना थीं। तभी से सीनियर खिलाड़ियों पर दबाव शुरू हो गया।'

न्यूज डायरी

18वीं अर्बन मोबिलिटी इंडिया कॉन्फ्रेंस-कम-एक्सपो-2025' गुरुग्राम में 7 नवंबर से

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आगामी 7 नवंबर से 9 नवंबर तक गुरुग्राम में होने वाली '18वें अर्बन मोबिलिटी इंडिया कॉन्फ्रेंस -कम - एक्सपो 2025' की तैयारियों की समीक्षा को लेकर आज संबंधित अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता की।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन 7 नवंबर को केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल करेंगे, जबकि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी 8 नवंबर को होने वाले कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे। इसके बाद सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह 9 नवंबर को समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। तीन दिवसीय इस कॉन्फ्रेंस में देश के विभिन्न नगर निगमों के चेयरमैन तथा मेयर भी हिस्सा लेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी हरियाणा के लिए गर्व की बात है। यह कार्यक्रम सतत शहरी विकास, स्मार्ट परिवहन समाधानों और बुनियादी ढांचे के नवाचार में राज्य की प्रगति को प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह कार्यक्रम शहरी परिवहन व गतिशीलता के क्षेत्र में उभरते मुद्दों, रुझानों, नवाचारों और चुनौतियों पर विचार-विमर्श करके देश एवं प्रदेश की प्रगति में सहायक सिद्ध होगा।

बैठक में मुख्यमंत्री को जानकारी दी गई कि कार्यक्रम में कॉन्क्लेव, शोध संगोष्ठी, पूर्ण सत्र, तकनीकी सत्र, पैनल चर्चाएं और इंटरेक्टिव प्रदर्शनियां शामिल होंगी। इनमें भारत समेत विभिन्न देशों के नीति-निर्माता, उद्योग जगत से विशेषज्ञ, शोधकर्ता और प्रतिनिधि भाग लेंगे। इसके अतिरिक्त तकनीकी भ्रमण और धरोहर स्थल भी शामिल होंगे, जिनमें प्रतिनिधियों को क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति और शहरी परिवहन पहलों की झलक देखने को मिलेगी।

इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, हरियाणा परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री राजा शेखर वुंडरू, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री ए. के सिंह , सूचना जनसंपर्क, भाषा एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के महानिदेशक श्री के. मकरंद पांडुरंग, हरियाणा मास रैपिड ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री चंद्र शेखर खरे, एचएसआइआइडीसी के प्रबंध निदेशक श्री यश गर्ग, पर्सनल, ट्रेनिंग एंड पार्लियामेंटरी अफेयर्स विभाग के विशेष सचिव डॉ. आदित्य दहिया, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की अतिरिक्त निदेशक (प्रशासनिक) श्रीमती वर्षा खांगवाल के अलावा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

7 से 13 नवम्बर तक पंचकूला के इंद्रधनुष ऑडिटोरियम परिसर में चतुर्थ पुस्तक मेले का होगा आयोजन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अवधारणा सभी के लिए किताबें अभियान को साकार करते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की प्रेरणा से एक भारत श्रेष्ठ भारत की अवधारणा को साकार करने की वाहक बनेगी। इसी कड़ी में 7 से 13 नवम्बर तक पंचकूला के इंद्रधनुष ऑडिटोरियम परिसर में चतुर्थ पुस्तक मेले का आयोजन किया जाएगा।

एक सरकारी प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव श्री श्यामल मिश्रा एवं ऊर्जा संस्कृति समिति के संरक्षक श्री पी के दास के संयुक्त प्रयासों से पुस्तक मेले का आयोजन किया जा रहा है। पुस्तक मेले में हिन्दी, अंग्रेजी, पंजाबी और उर्दू भाषा के 100 से अधिक प्रकाशकों द्वारा स्टॉल लगाए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि पुस्तक मेले में भारत की साहित्य अकादमी, नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के साथ हरियाणा की साहित्य अकादमी, ग्रन्थ अकादमी, पंजाबी अकादमी, संस्कृति अकादमी, उर्दू अकादमी विशेष गतिविधियों के आयोजन के साथ अपने अपने स्टाल के माध्यम से विशेष हिस्सेदारी निभाएंगें।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने शूटिंग वर्ल्ड कप में स्वर्ण जीतने वाले शाहपुर के शूटर दीपक सैनी को पदक पहनाते हुए शुभकामनाएं दी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने आज शाहपुर के शूटर दीपक सैनी को गत दिनों पैरा शूटिंग वर्ल्ड कप में स्वर्ण पदक जीतने पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने खिलाड़ी को 11 हजार रुपए अपने स्वैच्छिक कोष से प्रोत्साहन स्वरूप प्रदान किए।

श्री विज ने शूटर दीपक सैनी को पद पहनाते हुए उसे सम्मानित किया और भविष्य में भी बढ़िया प्रदर्शन करने का आह्वान किया। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि दीपक सैनी ने प्रतियोगिता में पदक जीतकर देश व हरियाणा का नाम रोशन किया है और यह हम सभी के लिए गर्व के क्षण है। शूटर दीपक सैनी ने कहा कि मंत्री अनिल विज ने अम्बाला छावनी में खेलों का ढांचा मजबूत किया है जिस वजह से आज खिलाड़ी विश्व पटल पर बेहतर प्रदर्शन कर पदक जीत रहे हैं।

दीपक सैनी ने बताया कि उसने गत दिनों 26 अक्टूबर से 2 नवंबर तक दुबई में आयोजित की गई पैरा शूटिंग वर्ल्ड कप 2025 में हिस्सा लिया था और 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था।

शहीदी दिवस को समर्पित यात्रा का अम्बाला छावनी में 18 नवम्बर को जगह-जगह होगा स्वागत रु ऊर्जा मंत्री अनिल विज

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि हिंद की चादर श्री गुरू तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को श्रद्धाभाव से मनाया जाएगा। शहीदी दिवस को समर्पित शहीदी यात्रा का आयोजन किया जा रहा है जोकि 18 नवम्बर को अम्बाला छावनी में आएगी। यात्रा के माध्यम से सर्वसमाज को गुरू तेग बहादुर जी के अदम्य साहस, उनके बलिदान बारे जानकारी दी जाएगी।

श्री विज आज अंबाला में पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में यात्रा को लेकर 21 सदस्यीय गठित कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि 18 नवम्बर को शहीदी यात्रा पंजोखरा साहिब से गांव कलरहेड़ी होते हुए बोह, बब्याल होते हुए टांगरी पार इंडियन रोलर रेस्टोरेंट पहुंचेगी। इसके बाद जगाधरी रोड से होते हुए सुभाष पार्क, चौड़ा बाजार, कबाड़ी बाजार, निशात सिनेमा रोड, राय मार्केट होते हुए यात्रा पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस पर पहुंचेगी जहां से यात्रा आगे अम्बाला शहर मंजी साहिब गुरुद्वारा साहिब की ओर रवाना होगी।

यात्रा का स्वागत अम्बाला छावनी में श्रद्धापूर्वक किया जाएगा। उन्होंने सर्वसमाज से आह्वान किया कि शहीदी दिवस को समर्पित यात्रा का सभी संस्थाओं द्वारा किया जाए। यात्रा के स्वागत को लेकर बाजारों को सजाया जाएगा व पुष्पवर्षा की जाएगी। बैठक में यात्रा के स्वागत के लिए विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं के अलावा राजनीति दलों से भी यात्रा का स्वागत करने का आह्वान किया गया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा नाडा साहिब में माथा टेका

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर पंचकूला स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा नाडा साहिब में माथा टेका और आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गुरुद्वारा परिसर में स्थित निशान साहिब की परिक्रमा की और शीश नवाकर गुरु चरणों में नमन किया।

● **प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की**

पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेशवासियों को गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे गुरु नानक देव जी के चरणों में प्रार्थना करते हैं कि हर व्यक्ति स्वस्थ रहे और जीवन में तरक्की की राह पर अग्रसर हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने समाज कल्याण और मानवता के उत्थान के लिए अनमोल शिक्षाएं दीं, जो आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि यह दिन हमें गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लेने का अवसर प्रदान करता है।

उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी ने मानवता के लिए तीन प्रमुख सिद्धांत - नाम जपो, किरत करो और वंड छको दिए। इन सिद्धांतों को अपनाकर हम समाज में सेवा, उदारता और सामाजिक समरसता के भाव को और अधिक प्रबल बना सकते हैं।

इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त श्रीमती सृष्टि गुप्ता, जिलाध्यक्ष श्री अजय मित्तल, ओएसडी डॉ. प्रभलीन तथा नाडा साहिब गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी ज्ञानी जगजीत सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

गुरु नानक देव ने किरत करो वंड छको का संदेश देकर सामाजिक कुरीतियों को दूर किया- ऊर्जा मंत्री अनिल विज

● **गुरु नानक देव जी ने विश्व का दौरा किया व ज्ञान की रोशनी से सभी को किया रोशन- विज**

● **श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाशोत्सव के अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने पंजाबी गुरुद्वारा साहिब में माथा टेका व दी शुभकामनाएं**

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने पहली पातशाही श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य पर आज सुबह अंबाला में पंजाबी गुरुद्वारा साहिब में माथा टेका व सभी को पावन अवसर पर शुभकामनाएं दी।

गुरुद्वारा साहिब में आयोजित कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज श्री गुरु नानक देव जी का प्रकट दिवस है। गुरु नानक देव जी ने अपनी शिक्षाओं से सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने के लिए बहुत बड़ा काम किया है और उन्होंने किरत करो, वंड छको, एक साथ छोटे-बड़े खाओ, बिना जात पात के खाओ एक बहुत बड़ा अभियान शुरू किया।

उन्होंने कहा कि कि गुरु नानक देव जी ने जगह-जगह कल्याण के कई कार्य किए और विश्व का दौरा किया। ज्ञान की रोशनी से सभी को रोशन किया। हमें गुरु नानक देव जी के विचारों पर चलना चाहिए और लोगों को भी प्रेरित करना चाहिए। मंत्री अनिल विज ने संगत के बीच बैठकर गुरु का लंगर भी खाया।

हरियाणा में 7 नवंबर को गूंजेगा 'वंदे मातरम्' का स्वर

● **मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने समीक्षा बैठक कर दिए अधिकारियों को निर्देश**
● **प्रदेश में गरिमामय ढंग से हो कार्यक्रम का आयोजन**

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि 7 नवंबर 2025 को 'वंदे मातरम्' गीत के 150 वर्ष पूर्ण हो रहे है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के निर्देशानुसार पूरे भारत में 7 नवंबर को प्रातः 10:00 बजे 'वंदे मातरम्' गीत का एक साथ समूह गान होना है। इस कार्यक्रम को हरियाणा में भी गरिमामय तरीके से मनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री आज चंडीगढ़ सचिवालय से 7 नवंबर को होने वाले आयोजन को लेकर उच्च अधिकारियों व वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े प्रदेश के उपायुक्तों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम का आयोजन मंडल, जिला, उप मंडल व ब्लॉक स्तर पर किया जाना है। कार्यक्रम में मंत्रिमंडल के सदस्य, लोकसभा, राज्यसभा सदस्य और विधायक बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। इसके साथ-साथ सभी सरकारी व प्राइवेट स्कूलों, कालेजों व विश्वविद्यालयों में भी 7 नवंबर को वंदे मातरम गीत का आयोजन किया जाना है। इसके लिए शिक्षा निदेशालय सभी प्राचार्यों को कार्यक्रम की जानकारी तत्काल दे दें। कार्यक्रम में विद्यार्थिय़ों के साथ-साथ उनके अभिभावकों को भी आमंत्रित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सायंकाल में सभी महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थानों पर एलईडी के माध्यम से वंदे मातरम गीत को सुनवाया जाए।

बैठक में सूचना, जनसंपर्क, भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक श्री के मकरंद पांडुरंग ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि 7 नवंबर 2025 से लेकर 7 नवंबर 2026 तक पूरे वर्ष भर कार्यक्रम का आयोजन होगा। कार्यक्रम चार चरणों में आयोजित किए जाएंगे। पहला चरण 7 से 14 नवंबर 2025 तक होगा, जिसमें अंबाला में 7 नवंबर को मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। दूसरा चरण 19 जनवरी से 26 जनवरी 2026 तक, तीसरा चरण 7 अगस्त से 15 अगस्त 2026 तक, इस चरण को हर घर तिरंगा कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा तथा चौथा व अंतिम चरण 1 से 7 नवंबर 2026 तक होगा।

उन्होंने इस बात की भी जानकारी दी कि भारत सरकार ने vande mamtram@150.in एप जारी किया है। 7 नवंबर को सामूहिक गान के बाद कोई भी व्यक्ति वंदे मातरम गीत को अपनी शैली में गाकर इस एप पर भेज सकता है और श्रेष्ठ गायक को प्रमाण देकर पुरस्कृत भी किया जाएगा।

बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण गुप्ता सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

हरियाणा के खेल इतिहास में ओलंपिक संघ ने एक नए अध्याय की शुरुआत की: विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार

मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कबड्डी के खिलाड़ियों को मेडल देकर किया सम्मानित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि हरियाणा के खेल इतिहास में हरियाणा ओलम्पिक संघ ने एक नए अध्याय की शुरूआत की है। इस नए अध्याय के साथ प्रदेश के हजारों खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मुकाम को हासिल करने के लिए एक नया मंच मिला है। इसके लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की जितनी तारिफ की जाए उतनी कम है।

विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार बुधवार को कुरुक्षेत्र में हरियाणा ओलम्पिक संघ की तरफ से चल रही राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के समापन समारोह में बोल रहे थे। इससे पहले मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार, जिला परिषद के उपाध्यक्ष धर्मपाल चौधरी, सचिव नसीब ने 27वें हरियाणा ओलम्पिक संघ की तरफ से आयोजित महिला व पुरुष कबड्डी खिलाड़ियों से परिचय किया और फाइनल मैच शुरू करवाया।

उन्होंने कहा कि इस राज्य स्तरीय महिला व पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में सोनीपत की टीम प्रथम, भिवानी द्वितीय, कैथल व रोहतक संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रही। इसी तरह महिला वर्ग में जींद की टीम प्रथम, चरखी दादरी की टीम द्वितीय और हिसार व भिवानी की टीम संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रही। विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वाली टीम को मेडल व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि धर्मक्षेत्र व कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर प्रदेश भर से आए खिलाड़ियों ने पूरे जोश और जज्बे के साथ अपनी प्रतिभा दिखाई। इन खेलों में सराहनीय प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को जीत हासिल हुई और हारने वाले खिलाड़ियों को और अधिक मेहनत करके आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की युवा शक्ति के परिश्रम और प्रतिभा का उत्सव है। गत 2 नवंबर को मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम से शुरू हुए इस उत्सव का थीम मिट्टी से मेडल तक हरियाणा के खेल इतिहास में एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहा है।

बिहार में कांग्रेस की हार होती देख बौखलाए राहुल गांधी, हरियाणा विधानसभा चुनाव में धांधली के आरोप बेबुनियाद : शमशेर खरक

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा हरियाणा विधानसभा चुनाव की वोटर लिस्टों में धांधली के झूठे आरोप लगाना, उनकी राजनीतिक हताशा का प्रमाण है ये बात प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रदेश मीडिया सह प्रभारी शमशेर सिंह खरक ने कही।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अब बिहार विधानसभा चुनाव में संभावित हार से ध्यान भटकाने के लिए चुनाव आयोग जैसी निष्पक्ष संस्था पर अनर्गल आरोप लगा रहे हैं। शमशेर खरक ने यहां जारी एक बयान में कहा कि "राहुल गांधी को जब जनता का समर्थन नहीं मिल रहा, तो अब वे संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर खुद को पीड़ित दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा नेता ने कहा कि जिस तरह गुटबाजी के कारण कांग्रेस हरियाणा में हारी, उसी तरह बिहार में भी कांग्रेस की हार पक्की है। राहुल गांधी को बिहार विधानसभा चुनाव में हार साफ नजर आ रही है इसलिए हरियाणा विधानसभा चुनाव में धांधली का झूठा मुद्दा उठाकर बिहार की जनता को बरगलाने की नाकाम कोशिश कर रहे हैं।

कांग्रेस की गुटबाजी किसी से छिपी नहीं

शमशेर खरक ने कहा कि हरियाणा बिहार में ही नहीं पूरे देश में कांग्रेस की गुटबाजी किसी से छिपी नहीं है। हरियाणा में दशकों बाद संगठन बनाया, लेकिन अब भी पदाधिकारियों का कोई सम्मान नहीं है। जिलाध्यक्षों को कांफ्रेंस तक में साथ नहीं बैठाया जाता। हरियाणा में प्रदेश अध्यक्ष की बात कोई नेता नहीं मान रहा। इसी गुटबाजी के कारण हरियाणा विधानसभा चुनाव में हार हुई और अब बिहार की जनता भी कांग्रेस को हार का स्वाद चखाने के लिए तैयार है।

शॉर्ट फिल्म निर्माण विषय पर व्याख्यान-सह-कार्यशाला का आयोजन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय के ऐड-ऑन कोर्स (वीडियो रिपोर्टिंग) विभाग द्वारा शॉर्ट फिल्म निर्माण विषय पर एक रोचक एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान-सह-कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में सृजनात्मक, कथा कहने की कला और तकनीकी दक्षता का विकास करना था।

इस सत्र का संचालन पंजाब विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन के डॉ. जीसू जसकंवर सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने दृश्य कथा कहने की विभिन्न विधाओं—जैसे स्टोरीबोर्डिंग, सिनेमैटोग्राफी, संपादन, तथा ध्वनि एवं प्रकाश डिजाइन पर अपने अनुभव साझा किए। डॉ. सिंह ने विद्यार्थियों को फिल्म निर्माण की पूरी प्रक्रिया विचार के संकल्पन से लेकर अंतिम प्रस्तुति तक से परिचित कराया और बताया कि लघु फिल्में कलात्मक अभिव्यक्ति और सामाजिक संदेश प्रसारण का प्रभावी माध्यम बन सकती हैं।

इंटरएक्टिव डेमोंस्ट्रेशन और दृश्य प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रतिभागियों को मोबाइल फोन और डिजिटल उपकरणों का प्रयोग कर समसामयिक विषयों पर प्रभावशाली लघु फिल्में बनाने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। कार्यशाला में विद्यार्थियों को अपने द्वारा रचे गए कथानकों के प्रति आलोचनात्मक रूप से सोचने और दृश्य माध्यम निर्माण की नैतिकता पर विचार करने के लिए भी प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का समापन प्रश्नोत्तर सत्र से हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने अपने विचार साझा किए और प्रमुख वक्ता से व्यक्तिगत सुझाव प्राप्त किए।

कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने इस नवोन्मेषी पहल के लिए आयोजकों की सराहना की।

हरियाणा के पैरा एथलीट्स ने देश का नाम रोशन किया : आरती सिंह राव

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री एवं हरियाणा पैरा एथलेटिक एसोसिएशन की अध्यक्ष आरती सिंह राव ने कहा कि हमारे हरियाणा के पैरा एथलीट्स ने भी देश का नाम रोशन किया है और हर चैंपियनशिप में गौरवान्वित करने वाले मैडल लेकर आते हैं।

आरती सिंह राव ने आज चंडीगढ़ स्थित अपने निवास पर वर्ल्ड पैरा एथलेटिक चैंपियनशिप में हरियाणा के मेडल विजेताओं को सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों को शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदित किया तथा उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक चैंपियनशिप-2025, जो 25 सितंबर से 5 अक्टूबर तक नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित की गई, इसमें हरियाणा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 8 पदक (2 स्वर्ण, 4 रजत और 2 कांस्य) जीते हैं।

आरती सिंह राव ने कहा कि "वर्ल्ड पैरा एथलेटिक चैंपियनशिप में हरियाणा के खिलाड़ियों ने जिस समर्पण, संघर्ष और आत्मविश्वास के साथ प्रदर्शन किया है, वह पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। सभी खिलाड़ियों ने हाल ही में दिल्ली में हुए इन खेलों में शानदार प्रदर्शन कर न केवल हरियाणा बल्कि पूरे देश का नाम ऊँचा किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के पैरा खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और दृढ़ निश्चय हर युवा खिलाड़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। खिलाड़ियों ने एक बार फिर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से प्रदेश और देश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण अक्षरों में दर्ज कराया है।

दिल्ली में आयोजित हुई इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप में विश्व के 102 देशों के लगभग 2400 पैरा एथलीट्स की भागीदारी के साथ भारत में अब तक आयोजित सबसे बड़ा खेल आयोजन रहा। हरियाणा पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के 30 खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और अपनी मेहनत, लगन और संघर्षशीलता के बल पर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की।

प्रमुख विजेताओं में झज्जर के पैरा ओलिंपियन योगेश कथूनिया (डिस्कस थ्रो) रजत पदक, पानीपत के पैरा ओलिंपियन नवदीप (जेवलिन थ्रो) रजत पदक, रोहतक के रिंकू (जेवलिन थ्रो) स्वर्ण पदक, भिवानी के प्रदीप (डिस्कस थ्रो) कांस्य पदक, हिसार के संदीप (200 मीटर दौड़) रजत पदक, रेवाड़ी की एशियाई मैडलिस्ट पूजा यादव (क्लब थ्रो) रजत पदक ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का गौरव बढ़ाया।